राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार,09 अक्टूबर-2021 वर्ष-4,अंक-258 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

खुल्लेआम असमाजिक तत्वो ने सुरत शहर में बना रोड पर डांसबार

(बर्थडे पार्टी+बार डांसर+नोटों की बरिश=महेरबान ?)

रात्री कर्फ्यूग्रस्त क्षेत्र होने के बाद भी पुलिस को नही लगी भनक

क्रांति समय दैनिक समाचार

सूरत में रात का कर्फ्यू और पुलिस कमिश्नर का ऐलान के बाद भी सुरत पोलिस अपने अधिकारीयों की बात न मानने का यह मामला सामने आया. जहां जन्मदिन के पार्टी के नाम पर बार डांसर और

असामाजिक तत्वो ने इस बार डांसर के उपर नोटों की बरिश कर कानून-व्यवस्था को भी एक चेलेंज किया की जो हम करना चाहते हैं वह किया और जो कार्यवाही करना हो करो. यह घटना सुरत शहेर के अठवा क्षेत्र पुलिस स्टेशन के पास पूरा कार्यक्रम का आयोजन किया था उसके बाद भी जन्मदिन समारोह के नाम पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में सरकार श्री के सभी दिशा-

होगी कानूनी कार्रवाई -पुलिस

शोशल मिडिया में वीडियो वायरल होने के बाद डांसबार के संदर्भ में अठवा थाना प्रभारी इन्चार्ज पी.आई. एस.बी.भरवाड ने कहा कीवायरल वीडियो पोलिस ने सर्वेलेंस टीम ध्यानपूर्वक अध्यन करने के बाद कानूनी कार्यवाही किया जायेगा.

निर्देशों की धज्जियां उड़ाई गई. सोशलमिडिया में यह वायरल वीडियो कुछ दिन पुराना हैं जो शोशल मिडिया में तेजी से वायरल हो रहा हैं

पुलिस आयुक्त की घोषणा का उल्लंघन कर रहे कोरोना के कारण रात में कर्फ्यू घोषित कर दिया गया है। नवरात्रि उत्सव में दोपहर 12 बजे के बाद गरबा खेलने पर प्रतिबंध लगाने के साथ-साथ सार्वजनिक रूप से जन्मदिन समारोह पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा भी हुई है। हालांकि कुछ असामाजिक तत्व खुलेआम पुलिस की घोषणा का उल्लंघन कर रहे हैं। जन्मदिन समारोह सहित उद्घोषणाओं को अनुपात से बाहर उड़ा दिया गया है। बर्थडे पार्टी में नोटो को बार डांसर के उपर उड़ाते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया

है। इस वीडियो में मैं हूं डॉन, तमंचे पे डिस्को, एक दो तीन चार आदि बॉलीवुड गाने बार डांसर्स के साथ स्थानीय युवक डांस करते नजर आ रहे हैं. बार डांसर पर करेंसी नोट फेंकते हुए वीडियो में शर्मशार करने वाले युवक भी नजर आ रहे हैं। कथित तौर पर भगतालवन सिंधिवादनो के वीडियो से पहले स्टेज शो जंप हुआ और एक बड़े मंच से बंधी एक लड़की के जन्मदिन को मनाने के लिए यहां पांच दिवसीय उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। वीडियो में सुकरी और मिंडी गैंग के सदस्य रूस्तमपुरा के कुख्यात जफर गोल्डन के साथ नजर आ रहे हैं। कोविड गाइडलाइंस सरकार श्री के सभी दिशा-निर्देशों की धज्जियां उड़ाई, बर्थडे सेलिब्रेशन के नाम पर हुए कार्यक्रम का वीडियो ने पुलिस की रात की गश्त की पोल भी खोल दी है.

14अक्टूबर से सूरत-भागलपुर और गांधीनगर कैपिटल-वाराणसी स्पेशल में आंशिक बदलाव

क्रांति समय दैनिक समाचार

रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की माँग व उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए ट्रेन संख्या 09148 सूरत-भागलपुर स्पेशल के चुनार, मिर्ज़ापुर, विंध्याचल, प्रयागराज छिवकी, तथा मानिकपुर स्टेशनों पर आगमन-प्रस्थान समय में दिनांक 14 अक्टूबर 2021 से आंशिक बदलाव किए जा रहे हैं जो इस प्रकार है। ट्रेन नं 09148 सूरत-भागलपुर स्पेशल दिनांक 14 अक्तूबर 2021 से चुनार में आगमन-प्रस्थान समय 16.53 व 16.55 बजे, मिर्ज़ापुर में 17.23 व 17.25 बजे विंध्याचल में 17.38 व 17.40 बजे प्रयागराज छिवकी में 19.00 व 19.05 बजे मानिकपुर स्टेशन पर आगमन प्रस्थान समय 21.13 व 21.15 बजे रहेगा। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 04274 गांधीनगर कैपिटल-वाराणसी स्पेशल का दिनांक 14 अक्टूबर 2021 से प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर आगमन-प्रस्थान

समय 20.35 व 20.40 बजे रहेगा। यात्रियों से अनुरोध है कि कृपया उपरोक्त बदलाव को ध्यान में रखें।

यात्री स्पेशल ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि इस स्पेशल ट्रेन में कन्फर्म टिकट वाले यात्रियों को ही यात्रा की अनुमति होगी। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों को बोर्डिंग, यात्रा और गंतव्य के दौरान कोविड-19 से सम्बंधित सभी मानदंडों तथा एसओपी का पालन करने का अनुरोध किया गया है।

वोर्ड न.30 में नवनिर्माण बिल्डिंग में अधिकारियों के बेनामी संपत्ति का क्या कोई रहस्यमय कहानी या राज ?

जवाबदारी किसकी, आयकर भवन, पुलिस,SMC, ACB

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कश्मीरियत की आवाज

कश्मीर घाटी में अल्पसंख्यकों को जिस तरह से निशाना बनाया जा रहा है, उसकी जितनी निंदा की जाए कम होगी। ऐसे कायर फिर सिर उठा रहे हैं, जो अब लगभग हारी हुई लड़ाई लड़ रहे हैं। किसी भी मकसद में जब हिंसक ताकतें आम निहत्थे लोगों को निशाना बनाने लगती हैं, तब दरअसल वे अपनी बुनियादी हार का ही संकेत देती हैं। बुधवार को आतंकियों की कारस्तानी की चर्चा अभी शुरू ही हुई थी कि उन्होंने श्रीनगर में गुरुवार सुबह ईदगाह इलाके में स्थित एक सरकारी स्कूल में हमला कर दिया। इस हमले में स्कूल के प्रधानाध्यापक और शिक्षक की मौत हो गई है। गैर-मुस्लिमों को निशाना बनाने का मकसद साफ तौर पर समझा जा सकता है। जो लोग देश में बढ़ते सांप्रदायिक तनाव को लेकर चिंतित हैं, उनकी चिंता का स्तर अब और बढ़ गया है। घाटी में लगातार यह साबित करने की कोशिश होती रही है कि दो समुदाय मिलकर साथ नहीं रह सकते। समुदायों के बीच पिछले दिनों से देखे जा रहे सद्भाव पर प्रहार करने की यह नापाक कवायद जिन लोगों की दिमाग की उपज है, वे दरअसल इंसानियत के दुश्मन हैं। वे नहीं चाहते कि कश्मीर में अमन-चैन की बहाली हो। जिस तरह से कश्मीर में राष्ट्रीय महत्व के उत्सवों को मनाने की शुरुआत हुई है, जिस तरह कश्मीर के प्रति बाकी भारत में लगाव बढ़ा है, उससे आतंकियों को अपनी जमीन खिसकती लग रही है। अपेक्षाकृत सुरक्षित माहौल बनाने में कामयाब हो रहे सुरक्षा बलों को पूरे संयम के साथ ऐसे कायराना हमलों का जवाब देना चाहिए। कायरों के नेटवर्क को समय रहते तोड़ना होगा। सुरक्षा बलों को कश्मीर की उस बेटी की आवाज पर कान देना चाहिए, जो पिता की मौत के बाद भी मुकाबले के लिए तैयार है। बुधवार को भी आतंकियों ने एक के बाद एक तीन हमले किए थे, जिनमें तीन अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया गया था। इसमें सबसे दुखद हत्या माखनलाल बिंदू की है। घाटी में दवाई की दुकान चलाने वाले बिंदू उन गिने-चुने हिंदुओं में शामिल थे, जो 1990 और 1991 के खतरनाक समय में भी घाटी में पांव जमाए रहे। सांप्रदायिकता की आग में झुलस रही घाटी में भी बिंदू कश्मीरियत को संजोए हुए थे। बिंदू की बेटी के उद्गार सुनने के बाद कश्मीरियत और भारतीयता, दोनों की मजबूती का पता चलता है। वह भारत की बेटी पिता को खोने के बावजूद बोल रही है, 'तुम लोग पत्थर फेंक सकते हो, पीछे से गोली मार सकते हो, तुम लोगों में हिम्मत है, तो आगे आओ।' दरअसल, यह निडर भारतीयता का जयघोष है, जो निश्चित रूप से देशवासियों को जोश से भर देता है। सीमा पार से चल रही नापाक लड़ाई पाकिस्तान छिपकर ही लड़ रहा है, उसमें हिम्मत नहीं कि भारतीय जवानों का सामना कर सके। अगर इन हमलों के बाद श्रीनगर में लोग विरोध में सड़कों पर उतरे हैं, तो सुरक्षा बलों की भी जिम्मेदारी बढ़ जाती है। आम लोगों का शिकार करने निकले दरिंदों पर जल्द से जल्द शिकंजा कसना चाहिए। इसके अलावा मानवाधिकार के नाम पर आतंकियों और उनके समर्थकों का पक्ष लेने वाले पेशेवर भड़काऊ लोगों को भी शर्म आनी चाहिए। राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को मजहबी नजरिए से नहीं, बल्कि इंसानियत की नजर से कश्मीर में होने वाली हिंसा को देखना चाहिए, ताकि बिंद्रुओं, दीपकों, सुपिंदरों का मानवाधिकार भी सुरक्षित रहे।

असाधारण ताकत से लबरेज भारतीय वायुसेना

- डॉ. रमेश ठाकुर

सेनाएं देश की आन, बान, शान होती हैं, बिना इनके कोई देश खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर सकता। इन्हीं की बदौलत हमारे जानमाल की रक्षा-सुरक्षा सुनिश्चित होती है। 8 अक्टूबर को भारतीय वायुसेना अपनी स्थापना की वर्षगांठ मनाती है। यह दिवस हम भारतवासियों को गौरवान्वित कराता है। वायुसेना की ये 89वीं वर्षगांठ है। वैसे वायुसेना के अलावा जल और थल की उपयोगिता और जरूरत हमारे लिए सब्जी में नमक जैसी है। लेकिन इंडियन एयर फोर्स की अहमियत कुछ अलहदा है। दैवीय आपदाएं हों, तूफान का कहर हो, विदेशों में आए संकट के दौरान फंसे अपने नागरिकों को एयरलिफ्ट करना हो या हमारे दूसरे सशस्त्र बलों की आसमानी सुरक्षा का जिम्मा, यह सब एयरफोर्स के कंधों पर ही होता है। भारतीय वायुसेना से जुड़ा एक-एक जवान खुद को इसलिए भाग्यशाली मानता है कि उन्हें ऐसे तंत्र से जुड़ने का अवसर मिला जो देश की रक्षा में अपनी अग्रणी भूमिका निभाता है। वायुसेना के योगदान को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता, जितना भी कहा जाए, कम होगा। मौजूदा खतरों के अंदेशों पर गौर करें तो पूर्वी लद्दाख में बीते कुछ दिनों से चीन के साथ हमारा तनातनी जैसा माहौल है। लेकिन वायुसेना विंग जिस मुस्तैदी के साथ मोर्चे पर डंडा गाड़े खड़ा, उसे देखकर सीना चौड़ा होता है। दो-तीन दिन पहले बॉर्डर की सुरक्षा को लेकर वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने खुद कहा भी था कि कि चीन ने पूर्वी लद्दाख के पास तीन ठिकानों पर अपनी वायु सेना तैनात की है। उनका ये बयान पूर्वी लद्दाख और उत्तरी मोर्चे पर चीन द्वारा काफी संख्या में सैनिकों को तैनात करने के अलर्ट के बाद आया। दरअसल चीन भी हमारी तैयारियों को देखकर भयभीत है। वह इस सच्चाई से वाकिफ हैं कि भारत की वायुसेना दूसरे मुल्कों के मुकाबले बहुत तगड़ी है। जबसे राफेल के बेड़े भारतीय वायुसेना में जुड़े हैं, वायुसेना की ताकत और बढ़ गई है। पाकिस्तान में एयर स्ट्राइक करके हमारी वायुसेना अपनी ताकत का लोहा मनवा चुकी है। भूल से भी दोबारा से पाकिस्तान भविष्य में कोई हिमाकत नहीं करेगा। हमारी एयरस्ट्राइक के बाद उन्होंने कई मर्तबा गीदड़भभकी दी थी कि वे भी देर-सवेर भारतीय सीमा में एयरस्ट्राइक करेंगे और अपने यहां तीन सौ से ज्यादा आतंकियों के मारे जाने का बदला लेंगे। खुदा न खास्ता गलती से भी उनकी ओर से कोई एयर स्ट्राइक हो जाती, तो उसके बाद पाकिस्तान का नामोनिशान मिट जाने का जिम्मेदार वह खुद होंगे। पाकिस्तान में एयर स्ट्राइक करने के बाद दुनिया ने हमारी वायुसेना की ताकत को ठीक से भांपा, खासकर चीन ने। एयर चीफ ने आगे बताया कि चीन-पाक साझेदारी और दो मोर्चों पर युद्ध से भी हमें डरने की जरूरत नहीं है। दोनों मुल्क मिलकर भी हमारा बाल बांका नहीं कर सकते। दरअसल, वायुसेना में ऐसे लड़ाकू विमान शामिल हैं जिसकी मारक क्षमता पाकिस्तान के उस पार तक की है। पिछले सप्ताह एयर चीफ मार्शल ने केंद्र सरकार विशेषकर प्रधानमंत्री को अपनी तैयारियों से अवगत कराते हुए बेफिक्री पर पूर्ण आश्वासन दिया था। सरकार का एक इशारा मात्र होगा पीओके हवाई मारक नहीं झेल पाएगा। पाकिस्तान अधिकृत पीओके में छोटे स्ट्रिप्स हैं जहां हेलीकॉप्टर जल्दी से उड़ान नहीं भर सकते हैं, वहां आबादी कम है, पहाड़ और जंगल ज्यादा हैं। उन जगहों पर भी लड़ाई लड़ने की भारतीय वायुसेना ने कमर कसी हुई है। कुछ मीडिया खबरों में आया है कि अफगानिस्तान में मालिबानियों के कब्जे के बाद चीन-पाक उनका इस्तेमाल कश्मीर में कर सकते हैं। उन खबरों को ध्यान में रखकर ही वायुसेना ने जबरदस्त तैयारियां की हुई हैं। सूचना कुछ ऐसी भी हैं कि चीन ने समूचे पूर्वी लद्दाख में बड़ी संख्या में फौज की तैनाती की है। लेकिन भारत भी हर खतरे से निपटने के लिए तैयार है। गौरतलब है कि बीते कुछ ही दिनों के अंतराल में वायु सेना के अधिकारियों के बीच दर्जनों बार मीटिंग हो चुकी हैं। हमारे सीमा क्षेत्र से सटे उनकी अग्रिम मोर्चों पर हुई उनकी तैनाती वास्तविक रूप से हमारे लिए चिंता का विषय है, बावजूद इसके वायुसेना उनकी सभी गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं। हमारी वायुसेना इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ-साथ सैनिक संख्याओं में भी इजाफा कर रही हैं, जो किसी भी खतरे का सामना करने के लिए जरूरी भी है। ये आधुनिक भारत है, इससे टकराने का मतलब मुंह की खाना। वायुसेना की 89वीं वर्षगांठ पर अधिकारियों की तरफ से गाजियाबाद के हिंडन एयरबेस पर अपनी ताकत को दर्शाने के रूप में कई तरह की प्रदर्शनियों का आयोजन होगा, जिसे देखकर निश्चित रूप से दुश्मनों के दांत खट्टे होंगे। भारतीय वायुसेना अपने असाधारण सैन्य शक्ति के लिए जानी जाती है। एशियाई देशों में जब भी कोई संकट आया तो उन्होंने हमारी वायुसेना की मदद ली। 'ऑपरेशन रेनबो' को शायद ही कोई भूले। ऑपरेशन के तहत श्रीलंका के लिए एयरलिफ्ट ऑपरेशन चलाया गया था। श्रीलंका सरकार के अनुरोध पर राहत कार्यों के लिए छह मध्यम लिफ्ट हेलिकॉप्टरों को श्रीलंका भेजा गया था। तीन हेलीकॉप्टरों ने 27 दिसंबर 2004 को और तीन ने 28 दिसंबर 2004 को अपनी पोजीशन लेकर काटुनायके और मिन्नी रिया बेस में हताहत निकासी, राहत सामग्री का वितरण, मेडिकल टीमों की तैनाती की और खाद्य सामग्री गिराई थी। वहीं, ऑपरेशन 'कैस्टर' जो मालदीव के लिए एयरलिफ्ट ऑपरेशन था जिसमें मालदीव सरकार के अनुरोध पर 02 पैराड्रॉप मॉडिफाइड, लंबी रेंज के एवीआरओ को 28 दिसंबर 04 को मालदीव में भेजा था। उन एयरक्राफ्टों ने विभिन्न छोटे रनवे पर लैंडिंग कर मालदीव के अंदर अंतरमहाद्वीपीय ऑपरेशन को अंजाम दिया था। इनके वायुयान से खाद्य सामग्री गिराना, जल और सामग्रियों की आपूर्ति और मेडिकल टीमों की तैनाती करना था। यही कारण है ज्यादातर देश हमारी वायुसेना की तारीफ करते नहीं थकते। पलक झपकते ही कोसों मीलों की दूरी तय करने की अद्भुत क्षमता हमारी वायुसेना में ही विद्यमान है। ये ऐसे कारनामे हैं जिन्हें दुनिया ने देखे हुए हैं, इसलिए भारत पर हवाई हमला करने से पहले कोई भी देश सौ बार सोचेगा और मनन-मंथन करेगा। भारतीय वायुसेना के गठन की वर्षगांठ पर हमारी एयर शक्ति को दुनिया जरूरी देखेगी।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

'आज के ट्वीट

कृपा

शक्ति व विजय की प्रतीक, जगत जननी माँ भगवती के प्रथम स्वरूप माँ शैलपुत्री की कृपा हम सभी पर बनी रहे। माँ के आशीर्वाद से सभी में सृजनशीलता का संचार हो तथा सबका जीवन सुखमय बने। जय देवी माँ!

- योगी आदित्यनाथ

शाकाहारी

आचार्य रजनीश ओशो/ आदमी को स्वाभाविक रूप से शाकाहारी होना चाहिए क्योंकि पूरा शरीर शाकाहारी भोजन के लिए बना है। वैज्ञानिक इस तथ्य को मानते हैं कि मानव शरीर का संपूर्ण ढांचा दिखाता है कि आदमी गैर-शाकाहारी नहीं होना चाहिए। आदमी बंदरों से आया है। बंदर शाकाहारी हैं, पूर्ण शाकाहारी। अगर डार्विन सही है तो आदमी को शाकाहारी होना चाहिए। जरा देखो, क्या होता है जब तुम मांस खाते हो: जब एक पशु को मारते हो, क्या होता है पशु को, जब वह मारा जाता है? बेशक, कोई भी मारा जाना नहीं चाहता। अगर कोई तुम्हें मारता है, तुम स्वेच्छा से नहीं मरोगे। अगर एक शेर तुम पर कूदता है और तुमको मारता है, तुम्हारे मन पर क्या बीतेगी? वही होता है जब तुम एक शेर को मारते हो। वेदना, भय, मृत्यु, पीड़ा, चिंता, क्रोध, हिंसा, उदासी ये सब चीजें पशु को होती हैं। उसके पूरे शरीर पर हिंसा, वेदना, पीड़ा फैल जाती है। पूरा शरीर विष से भर जाता है, जहर से। शरीर की सब ग्रंथियां जहर छोड़ती हैं क्योंकि जानवर न चाहते हुए भी मर रहा है। और फिर तुम मांस खाते हो, वह मांस सारा विष वहन करता है जो पशु द्वारा छोड़ा गया है। पूरी ऊर्जा जहरीली है। फिर वे जहर तुम्हारे शरीर में चले जाते हैं। वह मांस जो तुम खा रहे हो एक पशु के शरीर से संबंधित था। उसका वहां एक विशेष उद्देश्य था। चेतना का एक विशिष्ट प्रकार पशु-शरीर में बसता था। तुम जानवरों की चेतना की तुलना में एक उच्च स्तर पर हो, और जब तुम पशु का मांस खाते हो, तुम्हारा शरीर सबसे निम्न स्तर को चला जाता है, जानवर के निचले स्तर को। तब तुम्हारी चेतना और तुम्हारे शरीर के बीच एक अंतर मौजूद होता है, और एक तनाव पैदा होता है और चिंता पैदा होती है। व्यक्ति को वही चीजें खानी चाहिए जो प्राकृतिक हैं। फल, सब्जियां, मेवे आदि, खाओ। खूबसूरती यह है कि तुम इन चीजों को जरूरत से अधिक नहीं खा सकते। जो कुछ भी प्राकृतिक है, हमेशा तुम्हें संतुष्टि देता है, क्योंकि यह तुम्हारे शरीर को तृप्त करता है। तुम परिपूर्ण महसूस करते हो। अगर कुछ चीज अप्राकृतिक है, वह तुम्हें कभी पूर्णता का एहसास नहीं देती। आइसक्रीम खाते जाओ, तुमको कभी नहीं लगता कि तुम तृप्त हो। वास्तव में जितना अधिक तुम खाते हो, उतना अधिक तुम्हें खाते रहने का मन करता है। यह खाना नहीं है। तुम्हारे मन को धोखा दिया जा रहा है। अब तुम शरीर की जरूरत के हिसाब से नहीं खा रहे हो; तुम केवल इसे स्वाद के लिए खा रहे हो। जीभ नियंत्रक बन गई है।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

गंगा-जमुनी अहसासों में जासना का चटख रंग

अरुण नैथानी

केरल के कोझीकोड की जासना सलीम पिछले दिनों सुर्खियों में तब आई जब एक प्रतिष्ठित मंदिर के गर्भगृह में उसके रचे श्रीकृष्ण प्रतिष्ठित हुए। जासना ने विधिवत चित्रकला का प्रशिक्षण नहीं लिया, रूढ़िवादी मुस्लिम परिवार में पली-बढ़ी। अपने घर में किसी अन्य धर्म के चित्र रखने की भी उसे इजाजत नहीं है। लेकिन वह श्रीकृष्ण के मोहक बालरूप का जीवंत चित्र उकेर देती है। एक समय ऐसा भी था जब उसके चित्र बनाने का परिचितों व रिश्तेदारों ने विरोध किया। वहीं उसे मंदिर में जाने की इजाजत भी नहीं थी। दुविधाओं और मुश्किलों के बावजूद वह पिछले छह साल से श्रीकृष्ण के सैकड़ों चित्र बना चुकी है। केरल व राज्य के बाहर उसके चित्रों की काफी मांग है। अब यह उसकी आय का जरिया भी बन रहा है। उसके गहरे अहसासों को इस बात से महसूस किया जा सकता है कि जब उसके प्रिय विषय पर बात होती है, तो वह चहक उठती है। यूं तो सदियों से भारत की गंगा-जमुनी संस्कृति में मुस्लिम साहित्यकारों, चित्रकारों व कवियों ने श्रीकृष्ण की महिमा का वर्णन किया है, लेकिन मौजूदा दौर में जासना सलीम की गाथा वाकई प्रेरणादायक है। वह धर्म के उस रूप को परिभाषित करती है जो लोगों को जोड़ता है। श्रीकृष्ण की बालसुलभ क्रीड़ाओं की अभिव्यक्ति उसे सुकून देती है। धर्म विशेष में आस्था न होने के बावजूद श्रीकृष्ण का नख-शिख चित्रण जीवंतता के साथ उभरता है। उनके अधिकांश चित्रों में श्रीकृष्ण का वह रूप है, जिसमें उनके मुख पर मक्खन लगा है और हाथ मक्खन की मटकी के भीतर हैं। पहले उसने वह चित्र बनाया, जिसमें श्रीकृष्ण के हाथ बंधे हुए हैं, लेकिन उसे उनका मक्खन खाते हुए का रूप ज्यादा मोहक लगा। वह पिछले छह सालों की मेहनत से करीब पांच सौ चित्र बना चुकी है। जासना सलीम इस बात से बेहद खुश है कि बाल श्रीकृष्ण के चित्र को वह स्वयं एक प्रतिष्ठित मंदिर को भेंट कर सकी है। दरअसल, बाल-कृष्ण की पूजा के लिये मशहूर पन्दलम शहर स्थित अस्सी साल पुराने उलानाडु श्रीकृष्ण स्वामी मंदिर को उसने बाल श्रीकृष्ण की पेंटिंग उपहार के रूप में भेंट की है। जब मंदिर के प्रबंधकों को पता चला कि जासना की पेंटिंग गुरुवायूर के प्रसिद्ध कृष्ण मंदिर को दी गई है तो मंदिर समिति ने स्वयं जासना से पेंटिंग मांग ली। बताते हैं कि एक बार बेड रेस्ट पर आई जासना को एक कागज में श्रीकृष्ण की तस्वीर दिखाई दी थी। तब वह गर्भावस्था में थी और श्रीकृष्ण के बारे में ही सोचती थी। उसने चित्र बनाने का प्रयास किया। उसने जीवन में पहली बार चित्र बनाया था। वह कहती है कि स्कूल में पढ़ाई के दौरान उसने नक्शे तो बनाये लेकिन चित्रकला उसका विषय नहीं था। उसके पति ने जब श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़ी रोचक कथाओं से परिचित कराया तो उसकी बालसुलभ कृष्ण के चित्र बनाने की रुचि बढ़ी। उसे श्रीकृष्ण की बाल जीवन की मोहकता का अहसास हुआ। हालांकि, जासना ने चित्रकला की कोई पेशेवर ट्रेनिंग नहीं ली है। लेकिन इसके बावजूद वह श्रीकृष्ण के मोहक चित्र बनाती है, जिसे लोग हाथों-हाथ लेते हैं। मगर जासना की दिक्कत यह थी कि वह रूढ़िवादी मुस्लिम परिवार से आती थी और चित्र को घर में नहीं रख सकती थी। हालांकि उसके ससुराल वालों ने पेंटिंग बनाने पर कोई एतराज नहीं किया। पति के संबल ने उसके अरमानों को पंख दिये। पहला चित्र बनाया तो घर में न रख पाने के कारण एक नंबूदरी परिवार की सहेली को वह चित्र दे दिया। उस परिवार के लिये भी यह चौंकाने वाला वाकया था कि एक मुस्लिम महिला ने कितना सुंदर श्रीकृष्ण का चित्र बनाया है। अक्सर जासना सलीम से यह प्रश्न किया जाता है कि वह मटकी से मक्खन खाने वाला ही चित्र क्यों बनाती हैं। वह मुस्कराते हुए व्याख्या करती है कि वे दोनों हाथ से मटकी पकड़े होते हैं, जैसे कि उन्हें चिंता हो कि कोई उनका मक्खन न छीन ले। यह भी कि यह एक ऐसा चित्र है, जिसमें एक बालक अपनी मनपसंद चीज के साथ सुकून में नजर आता है। इस चित्र को देखने से खुशी मिलती है। उसका मानना है कि मैं यह चित्र लाभ के लिये नहीं बनाती, बल्कि इसे बनाने से मुझे मानसिक संतुष्टि मिलती है। निश्चित रूप से आज जब दुनिया में धर्म को टकराव का माध्यम बनाया जा रहा है, जासना सलीम की सद्भावना की पहल सुकून देने वाली है। वह वर्षों से प्रसिद्ध गुरुवायूर श्रीकृष्ण मंदिर को नटखट श्रीकृष्ण के चित्र उपहार में देती रही है। इसके बावजूद कि मुस्लिम होने के चलते उसे मंदिर में प्रवेश की अनुमति नहीं थी।

अब जब उलानाडु में श्रीकृष्ण स्वामी मंदिर के गर्भगृह में उसकी पेंटिंग प्रतिष्ठित हो गई है तो उसका कहना कि यह उसके लिये सपने के सच होने जैसा है। इस पेंटिंग को 'उन्नी कन्नन' नाम दिया गया है जिसका मलयालम में अर्थ होता श्रीकृष्ण का बालरूप। इससे जुड़ा एक रोचक प्रसंग यह भी है कि दो बच्चों की मां जासना तीन भाई-बहनों में सबसे छोटी थी। बचपन में उसके मां-बाप प्यार से कन्ना संबोधन से बुलाते थे, जिसका अर्थ होता है प्रिय बच्चा या श्रीकृष्ण। कहीं न कहीं उसके अवचेतन में श्रीकृष्ण बचपन में आए थे। बहरहाल, आज जासना परंपरागत मीडिया व सोशल मीडिया में सुर्खियां बटोर रही है। लोग दूर-दूर से पेंटिंग लेने उसके पास आते हैं। कक्षा दसवीं तक पढ़ी जासना की समृद्ध कला अलौकिक देन जैसी ही है। जासना की इच्छा है कि एक दिन वह प्रधानमंत्री मोदी से मिलकर उन्हें श्रीकृष्ण की पेंटिंग भेंट करे।

मैंने कभी वेतन वृद्धि की मांग नहीं की, ऐसा कहना मुझे अटपटा लगता- इंदिरा नूयी

न्यूयॉर्कः पेप्सिको की पूर्व चेयरपर्सन और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) इंदिरा नूयी ने कहा कि उन्होंने कभी भी वेतन वृद्धि की मांग नहीं की क्योंकि उन्हें यह 'अटपटा' लगा और वह इस बात की कल्पना भी नहीं कर सकती वह जिसके लिए काम कर रही हैं, उससे कहें कि 'मेरा वेतन पर्याप्त नहीं है।' 12 साल तक पेप्सिको का नेतृत्व करने वाली 65 साल की नूयी ने 2018 में पेय और खाद्य पदार्थ कंपनी के सीईओ का पद छोड़ दिया था। उन्होंने 'माई लाइफ इन फुल' नाम से एक संस्करण भी लिखा है। चेन्नई में जन्मी नूयी ने मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई की और मास्टर डिग्री के लिए अमेरिका में येल विश्वविद्यालय जाने से पहले भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) कलकत्ता में प्रबंधन का अध्ययन किया। उन्हें दुनियाभर में सबसे शक्तिशाली और प्रभावशाली महिला नेतृत्वकर्ताओं में से एक माना जाता है।

2017 में नूयी का वेतन करीब 3.1 करोड़ डॉलर था

नूयी ने द न्यूयॉर्क टाइम्स मैगजीन को दिए एक साक्षात्कार में एक सवाल के जवाब में कहा, 'मुझे लगता है कि मैं ऐसी ही हूं। मैंने कभी भी वेतन वृद्धि की मांग नहीं की।' जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने कभी वेतन वृद्धि की मांग क्यों नहीं की, तो उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता। मुझे यह अटपटा लगता है। मैं यह कल्पना नहीं कर सकती कि मैं किसी के लिए काम करूं और कहूं मेरा वेतन पर्याप्त नहीं है। मैं और मेरे पति हर समय इसके बारे में बात करते हैं। वह कहते हैं, 'यह जितना हमने सोचा था उससे कहीं ज्यादा पैसा है, इसलिए इसे (वेतन वृद्धि को) भूल जाओ।' वह भी ऐसे ही हैं।' साक्षात्कार में बताया गया कि 2017 में नूयी का वेतन करीब 3.1 करोड़ डॉलर था।

यूपी कंज्यूमर पैनल ने एयरलाइंस पर लगाया 85.5 लाख रुपये का जुर्माना

लखनऊ। लखनऊ में राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने इंडिगो एयरलाइंस को सेवा में कमी और अनुचित व्यापार व्यवहार के लिए शिकायतकर्ता विनय शंकर तिवारी को मुआवजे और हर्जाने के रूप में 85.5 लाख रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया है। आयोग के सदस्य राजेंद्र सिंह ने अपने आदेश में कहा कि इंडिगो को मुआवजे के रूप में 35 लाख रुपये, मानसिक पीड़ा और उत्पीड़न के लिए 50 लाख रुपये और मामले की लागत के रूप में 50,000 रुपये प्रति वर्ष 10 प्रतिशत की दर से ब्याज के साथ भुगतान करना पड़ा। तिवारी ने 15 अप्रैल, 2013 को क्लियरट्रिप के जरिए लखनऊ से दिल्ली के लिए हवाई टिकट बुक किया था। उनका पीएनआर नंबर इंडिगो फ्लाइट नंबर 6 ई-141 का ईआरबीवीएलएस था, जबकि प्रस्थान का समय सुबह 10.50 बजे था। वह लखनऊ हवाई अड्डे पर पहुंचे और फ्लाइट में चेक किया। अपनी आवंटित सीट नंबर 5 ए पर बैठ गए। टेक-ऑफ से ठीक पहले, केबिन क्रू ने उन्हें सूचित किया कि उनका टिकट रद्द कर दिया गया है और उन्हें बेरहमी से फ्लाइट से उतार दिया गया है। तिवारी ने क्लियरट्रिप से पूछताछ की और बताया गया कि उनकी तरफ से टिकट रद्द नहीं किया गया है। इंडिगो से आगे की पूछताछ में पता चला कि शैलेंद्र ने सुबह 7.38 बजे टिकट रद्द कर दिया था। राज्य आयोग ने माना कि अगर यह माना जाता कि टिकट सुबह 7.38 बजे रद्द कर दिया गया था, तो उन्होंने तिवारी को उड़ान में चेक इन करने की अनुमति क्यों दी। इंडिगो एयरलाइंस ने तिवारी को न तो उक्त व्यक्ति का मोबाइल नंबर जमा किया और न ही किसी संदेश का स्क्रीनशॉट है। पूरी परिस्थितियों और रिकॉर्ड पर सबूतों को देखने के बाद, राज्य आयोग ने कहा कि इंडिगो एयरलाइंस द्वारा सेवा में कमी थी और उसने एक यात्री के साथ अनुचित व्यापार व्यवहार भी किया, जो दिल्ली में एक जरूरी बैठक में भाग लेने जा रहा था।

एटीएम में समय से पैसा नहीं रखने पर बैंकों को दंडित करने की योजना की समीक्षा: आरबीआई

मुंबई (एजेंसी)

भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर टी रबी शंकर ने शुक्रवार को कहा कि आरबीआई एटीएम में समय से नोट नहीं डालने पर बैंकों को दंडित करने की अपनी योजना की समीक्षा कर रहा है। बैंकों से मिली प्रतिक्रिया के बाद यह कदम उठाया जा रहा है। आरबीआई ने इस साल अगस्त में कहा था कि वह एटीएम में समय पर नोट डालने में विफल रहने के लिए बैंकों को दंडित करेगा। एटीएम के जरिए जनता के लिए पर्याप्त नकदी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए यह योजना एक अक्टूबर 2021 से लागू की गई थी। शंकर ने शुक्रवार को मौद्रिक नीति समीक्षा के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''हमें विभिन्न प्रतिक्रियाएं मिली हैं- कुछ सकारात्मक हैं और कुछ में चिंता जताई गई है। स्थान विशेष को लेकर कुछ मुद्दे हैं। हम सभी प्रतिक्रियाएं ले रहे हैं और समीक्षा कर रहे हैं और देखते हैं कि इसे कैसे सबसे अच्छी तरह लागू किया जा सकता है।'' उन्होंने कहा कि एटीएम खाली रहने पर जुर्माना लगाने के पीछे विचार यह सुनिश्चित करना है कि सभी एटीएम में हर समय नकदी उपलब्ध रहे, खासकर ग्रामीण और छोटे शहरों में। इस योजना के अनुसार किसी भी एटीएम में एक महीने में दस घंटे से अधिक समय तक कैश नहीं रहने पर प्रति एटीएम 10,000 रुपये का जुर्माना लगेगा।

देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार कृष्णामूर्ति सुब्रमण्यम ने दिया इस्तीफा

नई दिल्लीः सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार के वी सुब्रमण्यम ने अपना तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा कर शैक्षणिक क्षेत्र में लौटने का निर्णय लिया है। सुब्रमण्यम ने यहां जारी एक बयान में यह घोषणा करते हुये कहा कि एक राष्ट्र का सेवा करना गौरव की बात है। अब वह अपना तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा कर फिर से शैक्षणिक क्षेत्र में लौट रहे हैं। उन्होंने इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उनके मार्गदर्शन, सहयोग और समर्थन के लिए धन्यवाद भी दिया। सुब्रमण्यम ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का भी पूर्ण सहयोग मिला और आर्थिक सर्वेक्षण को तैयार करने में वित्त मंत्री ने पूरा सहयोग किया। उन्होंने कहा कि इस कार्यकाल में वित्त मंत्रालय के साथ ही प्रधानमंत्री कार्यालय के सहयोगियों का पूरा सहयोग मिला और उनमें कुछ तो उनके अच्छे मित्र भी बन चुके हैं।

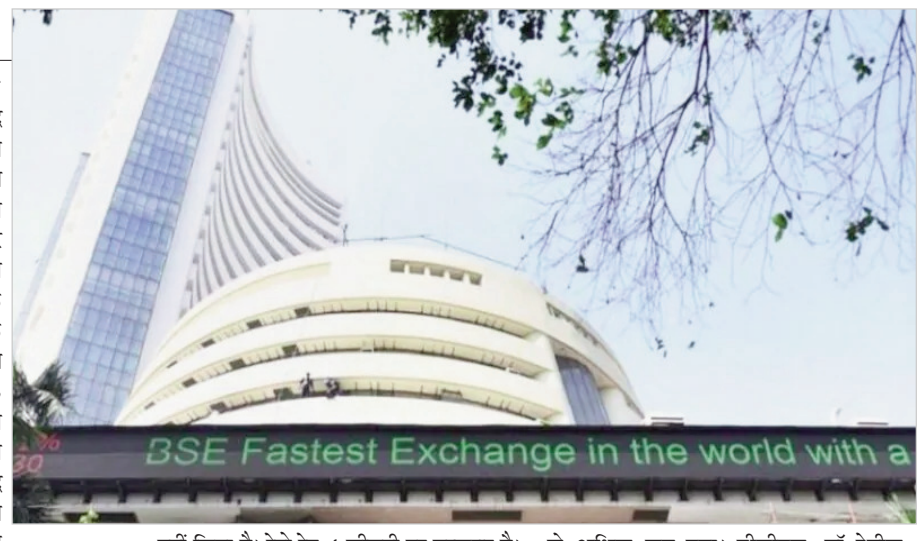

गडकरी एक्सप्रेस-वे पर गति सीमा बढ़ाकर 140 किमी/घंटा करने के पक्ष में, संसद में जल्द आएगा विधेयक

नयी दिल्ली, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि वह एक्सप्रेसवे पर अधिकतम गति सीमा बढ़ाकर 140 किलोमीटर प्रति घंटा करने के पक्ष में हैं और इस संबंध में जल्द ही संसद में एक विधेयक पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विधेयक का मकसद विभिन्न श्रेणियों की सड़कों पर वाहनों की गति सीमा को संशोधित करना है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा कि गति को लेकर ऐसी सोच है कि अगर कार की गति बढ़ गई, तो दुर्घटना हो जाएगी। उन्होंने 'इंडिया टुडे कॉन्क्लेव 2021' में कहा, ''मेरा निजी विचार है कि एक्सप्रेस-वे पर वाहनों की गति सीमा बढ़ाकर 140 किमी प्रति घंटा कर देना चाहिए।'' गडकरी ने कहा कि चार लेन वाले राष्ट्रीय राजमार्गों पर गति सीमा कम से कम 100 किमी प्रति घंटा होनी चाहिए, वहीं दो लेन की सड़कों और शहरी सड़कों के लिए गति सीमा क्रमशः 80 किमी प्रति घंटा और 75 किमी प्रति घंटा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत में वाहनों की गति सीमा का मानक तय करना एक बड़ी चुनौती है। मंत्री ने कहा, ''कार की गति को लेकर उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के कुछ फैसले हैं, जिसके चलते हम कुछ नहीं कर पा रहे हैं।'' गडकरी ने कहा कि आज देश में ऐसे एक्सप्रेस-वे बन गए हैं कि उन सड़कों पर कुत्ता भी नहीं आ सकता, क्योंकि सड़क के दोनों ओर बैरिकेडिंग कर दी गई है। उन्होंने कहा, ''विभिन्न श्रेणियों की सड़कों के लिए वाहनों की अधिकतम गति सीमा को संशोधित करने के लिए एक फाइल तैयार की गई है।'' मंत्री ने कहा, ''लोकतंत्र में हमें कानून बनाने का अधिकार है और न्यायाधीशों को कानून की व्याख्या करने का अधिकार है। भारतीय सड़कों पर वाहनों की गति सीमा को संशोधित करने के लिए जल्द ही एक विधेयक संसद में पेश किया जाएगा।''

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई (एजेंसी)।

मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन आरबीआई की क्रेडिट पॉलिसी बाजार को पसंद आई और इससे बाजार में उछला आया और वह तेजी के साथ बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का तीस शेयरों वाला सेंसेक्स 381.23 अंक करीब 0.64 फीसदी की बढ़त के साथ ही 60,059.06 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 104.85 अंक तकरीबन 0.55 फीसदी की बढ़त के साथ ही 17,895.20 के स्तर पर बंद हुआ।

इससे पहले गुरुवार के कारोबारी दिन भी बाजार में अच्छी तेजी आई थी।

आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने मॉनेटरी पॉलिसी का ऐलान किया। मॉनेटरी पॉलिसी कमिटी ने पॉलिसी दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। रेपो रेट 4 फीसदी पर बरकरार है। इससे पहले सुबह आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक के पहले इन्फोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टीसीएस के शेयरों में तेजी आई। बीएसई सेंसेक्स 223.79 अंक की तेजी के साथ 59,901.62 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह निफ्टी 77.75 अंक बढ़कर 17,868.10 पर पहुंच गया। सेंसेक्स की कंपनियो में टाटा स्टील का शेयर तीन प्रतिशत से अधिक चढ़ गया। टीसीएस, डॉ रेड्डीज, एलएंडटी, इन्फोसिस और एमएंडएम के शेयर भी लाभ में कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर एचयूएल, एशियन पेंट्स, एचडीएफसी, एचसीएल टेक, एसबीआई और टाइटन के शेयरों में नुकसान था। पिछले सत्र में सेंसेक्स 488.10 अंक बढ़कर 59,677.83 पर बंद हुआ था जबकि निफ्टी 144.35 अंक की तेजी के साथ 17,790.35 पर बंद हुआ।

68 साल बाद एयर इंडिया की घर वापसी, 18,000 करोड़ रुपए में फाइनल हुई डील

नई दिल्ली (एजेंसी):

देर आए दुरुस्त आए। यह कहावत टाटा समूह पर बिल्कुल फिट बैठती है क्योंकि लंबे अर्से बाद टाटा एयर इंडिया को फिर से अपने पाले में ले आया। भले ही एयर इंडिया का निजीकरण करने के विभिन्न सरकारों के प्रयासों में दो दशक से अधिक का समय लग गया हो, लेकिन आखिरकार अंतिम बोली टाटा सन्स ने ही जीती। एयर इंडिया का निजीकरण करने के लिए पहला कदम उठाये जाने के बाद से अब तक कई एयरलाइइ कंपनियां आईं और चली गईं, लेकिन टाटा समूह का विमानन क्षेत्र खासकर एयर इंडिया के साथ लगाव कभी कम नहीं हुआ। ऐसा कहा जाता है कि टाटा समूह के अधिकारी यह शिकायत करते रहते थे कि भारतीय विमानन क्षेत्र के जनक व एयर इंडिया के पूर्व अध्यक्ष जहांगीर रतनजी दादाभाई टाटा (जेआरडी) को टाटा समूह की तुलना में एयर इंडिया की चिंता अधिक रहती थी। हालांकि वे यह भी जानते थे कि अध्यक्ष के रूप में एअर इंडिया का नेतृत्व करना उनके लिये केवल एक नौकरी नहीं थी, बल्कि उनके लिए यह लगाव का विषय था।

18000 करोड़ रुपए लगाई बोली

नमक से लेकर सॉफ्टवेयर तक बनाने वाली कंपनी टाटा समूह की भव्य विरासत को देखते हुए, यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि टाटा ने एयर इंडिया को वापस पाने के लिए इतना अधिक (18,000 करोड़ रुपये) खर्च किया। यह एक ऐसा समूह है जिसने टाटा एयरलाइंस और एयर इंडिया के पहले टाटा विमानन सेवा शुरू करने के लिए 1932 में दो लाख रुपये का निवेश करने में जरा सा भी संकोच नहीं किया था। अक्टूबर 1932 में कराची से बॉम्बे के लिए पहली एयरमेल सेवा उड़ान भरी गई थी जब जेआरडी टाटा ने एक पुस मोथ विमान का संचालन किया था। 89 साल बाद अब एयर इंडिया का नियंत्रण फिर से टाटा समूह के हाथ में है। भारतीय नागरिक उड्डयन इतिहास में इस समूह की यात्रा उतार-चढ़ाव भरी रही है। टाटा एयरलाइंस 1946 में एयर इंडिया नामक एक 'संयुक्त स्टॉक कंपनी' के रूप में सार्वजनिक हुई और 8 जून, 1948 को स्वतंत्र भारत का पहला सार्वजनिक-निजी उद्यम एयर-इंडिया इंटरनेशनल की पहली उड़ान यूरोप के लिए थी, जिसका प्रतिष्ठित शुभंकर महाराजा था। एयर-इंडिया इंटरनेशनल कर्मचारियों, रखरखाव और सेवाओं के साथ दुनिया की सर्वश्रेष्ठ एयरलाइनों में से एक बन गई। अक्टूबर 1947 में समूह के प्रस्ताव के मुताबिक, एयर-इंडिया इंटरनेशनल में सरकार की हिस्सेदारी 49 प्रतिशत, टाटा की 25 प्रतिशत और बाकी जनता के पास रखी गई।

1953 में एयर इंडिया हुई सरकारी

जवाहरलाल नेहरू की तत्कालीन सरकार ने जब 1953 में एयर इंडिया का राष्ट्रीयकरण किया, तो जेआरडी ने इसके खिलाफ जोरदार लड़ाई लड़ी। जब सरकार ने 11 एयरलाइनों का राष्ट्रीयकरण करने का फैसला किया, तो इसमें समूह कुछ नहीं कर सकता था। इनमें से एयर इंडिया को छोड़कर सभी को भारी नुकसान हो रहा था और उन्हें एक ही सरकारी निगम में विलय कर दिया गया था। एयर इंडिया के राष्ट्रीयकरण के बाद, विमानन क्षेत्र के साथ समूह का जुड़ाव जेआरडी के माध्यम से ही था, जिन्होंने 25 वर्षों तक प्रमुख सरकारी एयरलाइन के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। नब्बे के दशक में, जब भारत के नागरिक उड्डयन क्षेत्र को निजी भागीदारों के लिए खोला गया, तब सिंगापुर एयरलाइंस के साथ साझेदारी में एक घरेलू एयरलाइन शुरू करने का समूह ने प्रयास किया। लेकिन सरकार ने उसके प्रस्ताव को खारिज कर दिया। गौरतलब है कि 1994 में, रतन टाटा के नेतृत्व में टाटा समूह ने भारत में एक घरेलू एयरलाइन शुरू करने के लिए सिंगापुर एयरलाइंस के साथ एक संयुक्त उद्यम स्थापित किया था, लेकिन यह आगे नहीं बढ़ा क्योंकि तत्कालीन नियमों के अनुसार, विदेशी विमानन कंपनियों को घरेलू एयरलाइनों में हिस्सेदारी रखने की अनुमति नहीं थी। इसके अलावा, साल 2000 में दोनों भागीदारों ने एयर इंडिया में हिस्सेदारी खरीदने के लिए मिलकर काम किया, लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी।

विश्व बैंक का अनुमान, भारत की अर्थव्यवस्था 8.3% की दर से बढ़ेगी

वाशिंगटन (एजेंसी):

सार्वजनिक निवेश में वृद्धि और विनिर्माण को बढ़ावा देने से भारतीय अर्थव्यवस्था के वित्त वर्ष 2021-22 में 8.3 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है, जो इस साल की शुरुआत में कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर से पहले के अनुमान से कम है। विश्व बैंक ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में यह बात कही है। दक्षिण एशिया क्षेत्र के लिए विश्व बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री हैंस टिमर ने बताया कि जब हम कोई उच्च आवृत्ति वाला आंकड़ा देखते है, तो देखते हैं कि कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के परिणामस्वरूप, सुधार रुक गया है, और कुछ लोग संकेत देते हैं कि सुधार में वास्तव में कुछ गिरावट आई है। उन्होंने बृहस्पतिवार को कहा, ÷हम इस वित्त वर्ष के लिए 8.3 प्रतिशत (भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए वृद्धि दर) का अनुमान लगाते हैं, जो कि दूसरी लहर के कारण हुए स्वास्थ्य संकट से पहले के अनुमान की तुलना में कम है।'' उन्होंने कहा, ''पिछले साल अर्थव्यवस्था के तेज संकुचन को देखते हुए, यह बहुत अधिक नहीं लग सकता है लेकिन मेरे विचार में, घातक दूसरी लहर और स्वास्थ्य संकट की गंभीरता को देखते हुए, यह वास्तव में बहुत सकारात्मक खबर है।'' 31 मार्च को विश्व बैंक ने एक रिपोर्ट में कहा था कि वित्त वर्ष 2021-22 के लिए भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.5 से 12.5 प्रतिशत तक के बीच रह सकती है।

स्मार्टफोन की खरीद पर ग्राहकों को 6,000 रुपये का कैशबैक देगी एयरटेल

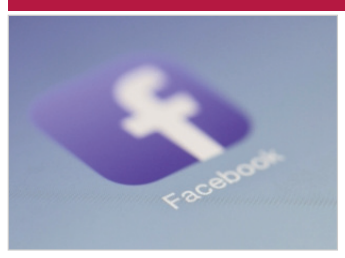

नयी दिल्ली (एजेंसी),

भारती एयरटेल ने उसके पोर्टल से नया स्मार्टफोन खरीदने वाले ग्राहकों को तीन साल की अवधि के दौरान दो किस्तों में 6,000 रुपये का कैशबैक देने की घोषणा की है। एयरटेल ने शुक्रवार को बयान में कहा कि यह कैशबैक 12 ब्रांडों....सैमसंग, शाओमी, वीवो, ओप्पो, रियलमी, नोकिया, आइटेल, लावा, इन्फिनिक्स, टेक्नो, लेनोवो और मोटोरोला का 12,000 रुपये तक का स्मार्टफोन खरीदने पर दिया जाएगा। बयान में कहा गया है कि एयरटेल प्रमुख ब्रांडों के 12,000 रुपये तक के नए स्मार्टफोन खरीदने पर ग्राहकों को 6,000 रुपये का कैशबैक देगी। यह कैशबैक प्राप्त करने के लिए ग्राहकों को लगातार 36 माह तक 249 रुपये या अधिक का प्रीपेड पैक (पैक की वैधता के अनुसार) रिचार्ज लेना होगा। ग्राहकों को यह कैशबैक दो किस्तों में मिलेगा। पहली 2,000 रुपये की किस्त का भुगतान 18 माह बाद और शेष 4,000 रुपये का

भुगतान 36 माह बाद किया जाएगा। इसके अलावा इस योजना का लाभ लेने वाले ग्राहकों को जरूरत पड़ने पर एक बार के लिए सर्विफाई द्वारा मुफ्त स्क्रीन बदलने की सुविधा दी जाएगी।

फेसबुक ने भारत में यूजर्स के लिए नया पेज अनुभव किया पेश

नई दिल्ली (एजेंसी)।

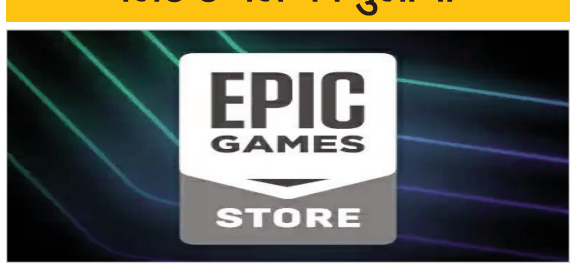

सार्वजनिक हस्तियों और रचनाकारों के लिए एक समुदाय बनाने और अपने व्यावसायिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए इसे आसान बनाने के लिए फेसबुक ने शुक्रवार को भारत में एक नया पेज डिजाइन शुरू किया है। नए पेज डिजाइन में सहज ज्ञान युक्त लेआउट शामिल है जिसमें एक क्रिस्प लुक और फील है जिससे व्यक्तिगत प्रोफाइल और सार्वजनिक पेज के बीच नेविगेट करना आसान हो जाता है। इससे बायोस, पोस्ट और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी देखना भी आसान हो जाएगा। पहली बार पेज के लिए एक समर्पित समाचार फीड है जो खोज में मदद करने और बातचीत में शामिल होने के नए तरीके लाएगा। कंपनी ने एक बयान में कहा, इससे रुझानों का पालन करना, साथियों के साथ बातचीत करना और प्रशंसकों के साथ जुड़ना आसान हो जाएगा। समर्पित समाचार फीड अन्य सार्वजनिक हस्तियों, पेजों, समूहों और ट्रेंडिंग सामग्री जैसे नए कनेक्शन का भी सुझाव देगा, जो एक पेज या सार्वजनिक व्यक्ति की परवाह करता है। इसके अलावा, पेज की बातचीत अब व्यापक दर्शकों के लिए अधिक दृश्यमान होगी और अनुयायियों की समाचार फीड में अधिक बार दिखाई देगी। साथ ही, सार्वजनिक हस्तियों की कमेंट्स को कमेंट्स सेक्शन के शीर्ष पर पहुंचा दिया जाएगा। लोग टिप्पणियों और अनुशंसाओं वाली पोस्ट से भी सीधे पेज का अनुसरण कर सकेंगे। नया डिजाइन लाइक को हटा देगा और फॉलोअर्स पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिससे लोगों के अपने पसंदीदा पेजों से जुड़ने का तरीका सरल हो जाएगा। पेज के अनुयायी अब अपने पसंदीदा पेज से अपडेट प्राप्त कर सकते हैं। यह सार्वजनिक हस्तियों को उनके प्रशंसक आधार का बेहतर अनुमान लगाने और उनके साथ एक मजबूत जुड़ाव बनाने में भी सक्षम करेगा। अपडेट किए गए कार्य-आधारित व्यवस्थापक नियंत्रण अब पृष्ठ प्रबंधन को और अधिक सुविधाजनक बना देंगे, जैसे व्यवस्थापक पहुंच को स्पष्ट रूप से असाइन करने और प्रबंधित करने और विशिष्ट कार्यों के आधार पर अनुमतियां आवंटित करने की क्षमता होगी।

एपिक सीईओ ने आईफोन सेटिंग्स में अपनी सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए ऐप्पल को बुलाया

सेन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।

एपिक गेम्स के सीईओ टिम स्वीनी ने आईफोन निर्माता ऐप्पल को एक विज्ञापन स्लॉट तक पहुंच प्रदान करने के लिए बुलाया है, जिसके प्रतिस्पर्धियों के पास आईफोन की सेटिंग्स स्क्रीन नहीं है। टेकक्रंच के अनुसार, कुछ आईओएस 15 उपयोगकर्ताओं ने देखा कि ऐप्पल अब अपनी ऐप्पल आईडी के ठीक नीचे, अपनी सेटिंग्स के शीर्ष पर अपनी सेवाओं का विज्ञापन कर रहा है। ऐसा प्रतीत होता है सुझाई जा रही सेवाओं को डिवाइस के मालिक के लिए वैयक्तिकृत किया जाता है, जिसके आधार पर वे पहले से ही सदस्यता लेते हैं। उदाहरण के लिए, जिनके पास ऐप्पल म्यूजिक की सदस्यता नहीं है, वे छह महीने के निःशुल्क परीक्षण की पेशकश करने वाला विज्ञापन देख सकते हैं। हालाँकि, वर्तमान ऐप्पल म्यूजिक सब्सक्राइबर इसके बजाय एक ऐसी सेवा को जोड़ने का संकेत देख सकते हैं जो उनके पास अभी तक नहीं है, जैसे कि उनके उपकरणों के लिए ऐप्पलकेयर कवरेज है। स्वीनी का सुझाव है कि इस प्रकार का प्रथम-पक्ष विज्ञापन ऐप्पल के लिए एक प्रतिस्पर्धा-विरोधी जोखिम है, क्योंकि कुछ सेवाएँ जो यहाँ पर जोर दे रही हैं, वे हैं जो सीधे अपने ऐप स्टोर पर प्रकाशित थर्ड पार्टी ऐप के साथ प्रतिस्पर्धा करती हैं। लेकिन वे थर्ड पार्टी एप्लिकेशन आईफोन की सेटिंग स्क्रीन तक पहुंच प्राप्त नहीं कर सकते हैं, निश्चित रूप से वे केवल ऐप स्टोर के भीतर ही विज्ञापन स्लॉट के लिए बोली लगा सकते हैं। स्वीनी ने लिखा, फोर्टनाइट पर प्रतिबंध लगाने वाले लोगों में से नया अपनी खुद की संगीत सेवा के लिए सेटिंग्स-स्क्रीन विज्ञापन, जो वास्तविक सेटिंग्स से पहले आते हैं और जो स्पॉटिफाई या साउंड क्लाउड जैसे अन्य विज्ञापनदाताओं के लिए उपलब्ध नहीं हैं।

टी20 वर्ल्ड कपः पाकिस्तान की शर्मनाक हरकत, भारत के मेजबान होने के बावजूद अपनी जर्सी पर लिखा यूएई का नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ऐसा लगता है कि पाकिस्तान को भारत की हर चीज से नफरत सी है। यही कारण है कि उसने खेल की दुनिया में भी एक शर्मनाक हरकत कर दी है जिसकी वजह से उसकी खूब आलोचना हो रही है। दरअसल, टी20 वर्ल्ड कप 2021 का आयोजन यूएई में हो रहा है। हालांकि इसकी मेजबानी भारत ही कर रहा है। भारत में इस बार टी-20 विश्व कप का आयोजन होना था लेकिन कोरोना महामारी की वजह से इसे यूएई और ओमान में शिफ्ट किया गया। मेजबान होने के नाते सभी देश अपनी जर्सी पर भारत का नाम लिख रहे हैं। लेकिन पाकिस्तान ने वहां यूएई का नाम लिखा है।

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के नियमों के अनुसार जिस देश में टूर्नामेंट का आयोजन होता है उसका नाम इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली टीमों की जर्सी पर लिखा जाता है। इस नियम के मुताबिक पाकिस्तान को अपनी जर्सी पर ICC MEN's T20 World Cup India 2021 लिखना चाहिए था लेकिन उसने अपने जर्सी पर ICC MEN's T20 World Cup UAE 2021 लिखा हुआ है। दरअसल, एक तस्वीर खूब वायरल हो रही है जिसमें टीम के कप्तान बाबर आजम की जर्सी दिखाई दे रही है। हालांकि अभी तक के ऑफिशियल तौर पर कोई चर्चे पाकिस्तान की ओर से लोन नहीं किया गया है।

हालांकि अब यह भी कहा जा रहा है कि अगर पाकिस्तान की ओर से ऐसा किया जाता है तो आईसीसी उसके खिलाफ एक्शन ले सकता है। अब तक के स्कॉटलैंड और नीदरलैंड ने अपनी-अपनी जर्सी का ऐलान किया है। आपको बता दें कि उद्घाटन मैच 17 अक्टूबर को होगा। जबकि ग्रुप 2 की शुरुआत भारत और पाकिस्तान के बीच 24 अक्टूबर को होने वाले मुकाबलों के साथ होगी।

भारत चाहे तो खत्म हो सकता है पीसीबी का अस्तित्व, आईसीसी को वही से मिलता है 90 फीसदी राजस्व

लंदन। (एजेंसी)।

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख रमीज राजा ने कहा है कि अगर भारत चाहे तो उनके बोर्ड का संचालन 'बिखर' सकता है क्योंकि आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) का 90 प्रतिशत राजस्व वही (भारत) से आता है और इसका प्रभावी तौर पर यही मतलब है कि इस खेल को 'भारत के व्यापारिक घरानों' द्वारा चलाया जा रहा है। रमीज ने गुरुवार को खुलासा किया है कि बोर्ड के बजट का 50 प्रतिशत हिस्सा आईसीसी से मिलने वाले अनुदान से आता है पीसीबी अध्यक्ष ने इस्लामाबाद में अंतर प्रांतीय मामलों की सीनेट की स्थाई समिति के समक्ष पेश होने के बाद कहा कि समय आ गया है कि पीसीबी आईसीसी से मिलने वाले कोष पर अपनी निर्भरता कम करे और स्थानीय बाजार से जरूरत पूरी करे। पीसीबी प्रमुख ने कहा, ''आईसीसी राजनीतिक रंग में रंगी संस्था है जो एशियाई और पश्चिमी गुटों में बंटी है और इसका 90 प्रतिशत राजस्व भारत से आता है।'

उन्होंने कहा, ' एक तरह से भारत के व्यापारिक घराने पाकिस्तान क्रिकेट को चला रहे हैं और अगर कल भारतीय प्रधानमंत्री फैसला करते हैं कि वह पाकिस्तान को कोई राजस्व नहीं लेने देंगे, तो इससे हमारा क्रिकेट बोर्डबिखर सकता है।'' रमीज ने कहा कि आसीसी 'इवेंट मैनेजमेंट कंपनी' की तरह बन गई है और अगर न्यूजीलैंड और इंग्लैंड की पुष्ट श्रृंखला के रद्द होने जैसी घटनाओं को दोबारा होने से रोकना है तो पीसीबी को अपनी बात रखनी होगी। उन्होंने कहा, ''न्यूजीलैंड ने जो किया वह अस्वीकार्य है क्योंकि उन्होंने अब तक हमारे साथ कोई सूचना साझा नहीं की है कि किस आधार पर उन्होंने पाकिस्तान में श्रृंखला रद्द की। लेकिन अब वह श्रृंखला का कार्यक्रम दोबारा तय करने का प्रयास कर रहे हैं। '' रमीज ने संकेत दिए कि एक सप्ताह के अंदर न्यूजीलैंड के खिलाफ स्थगित श्रृंखला से जुड़ी अच्छी खबर आ सकती हैं। वरिष्ठ सीनेटर रजा रब्बानी ने सुझाव दिया कि पाकिस्तान को अब न्यूजीलैंड के खिलाफ नहीं खेलना चाहिए और किसी भी श्रृंखला से इनकार कर देना चाहिए, लेकिन रमीज ने कहा कि यह संभव नहीं होगा क्योंकि देश एक बड़े अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट समुदाय का हिस्सा है।

भारत पाक मैच में होंगे तटस्थ देशों के अंपायर, पूरे टी-20 विश्वकप में भारत का सिर्फ यह अंपायर दिखेगा

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने आगामी पुरुष टी20 विश्व कप के राउंड वन और सुपर 12 चरण के लिए गुरुवार को 20 मैच अधिकारियों की नियुक्ति की घोषणा की, जिसमें नितिन मेनन मैच अंपायरों में एकमात्र भारतीय हैं। अनुभवी दक्षिण अफ्रीकी अंपायर मराइस इरासमस और इंग्लैंड के क्रिस गाफाने भारत और पाकिस्तान के बीच 24 अक्टूबर को होने वाले मैच के दो मैदानी अंपायर होंगे जबकि रिचर्ड इलिंगवर्थ टीवी अधिकारी होंगे। डेविड बून मैच रैफरी होंगे।

टी20 विश्व कप के लिए 16 अंपायर और चार मैच रैफरियों को चुना गया है। 45 मैच के टूर्नामेंट में तीन अंपायर - अलीम डार, इरासमस और रॉड टकर - ऐसे होंगे, जो अपने छठे पुरुष टी20 विश्व कप में अधिकारी होंगे। मस्कट (ओमान), अबुधाबी, शारजाह और दुबई (संयुक्त अरब अमीरात) में 17 अक्टूबर से 14 नवंबर तक चलने वाले टूर्नामेंट के लिए चार मैच रैफरियों में पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जवागल श्रीनाथ भी शामिल हैं। सेमीफाइनल और फाइनल के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा आने वाले समय में की जाएगी। आईसीसी ने कहा कि मैच अधिकारियों के 20 मजबूत ग्रुप का मतलब है कि कोविड-19 महामारी शुरू होने के बाद पहली बार टूर्नामेंट के सभी मैचों के लिए तटस्थ अंपायर होंगे। श्रीलंका के कुमार धर्मसेना आईसीसी पुरूष क्रिकेट विश्व कप 2019 के फाइनल में मौजूद मैदानी अंपायरों में से एक थे। वह टूर्नामेंट के पहले मैच में न्यूजीलैंड के क्रिस गाफाने के साथ होंगे जिसमें ओमान का सामना पापुआ न्यू गिनी से होगा। आईसीसी के अंपायरों और रैफरियों के सीनियर मैनेजर एड्रियन ग्रिफिथ ने कहा, ''हमें आईसीसी पुरूष टी20 विश्व कप के लिए दुनिया के कुछ शीर्ष अधिकारियों को नियुक्त करके खुशी हो रही है जिसमें 16 अंपायर और चार मैच रैफरी शामिल हैं।''

पिछले साल ही हुए थे एलीट अंपायरो में शामिल

भारत के युवा अंपायर नितिन मेनन को इंग्लैंड के नाइजेल लोंग की जगह 2020-21 सत्र के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अंपायरों की एलीट पैनल में शामिल किया गया था।

आईसीसी के महाप्रबंधक (क्रिकेट) ज्योफ अलार्डिस (अध्यक्ष), पूर्व खिलाड़ी और कमेंटेटर संजय मांजरेकर और मैच रेफरियों रंजन मदुगले एवं डेविड बून की चयन समिति ने मेनन का चुनाव किया था। पूर्व अंतरराष्ट्रीय अंपायर नरेन्द्र मेनन के बेटे मेनन ने मध्य प्रदेश के लिए दो लिस्ट-ए मुकाबले खेले है। उन्होंने कहा था, 'मेरे पिता एक पूर्व अंतरराष्ट्रीय अंपायर हैं और 2006 में बीसीसीआई ने लगभग 10 साल के बाद अंपायरों के लिए एक परीक्षा आयोजित की थी।' उन्होंने कहा था, 'मेरे पिता ने मुझे परीक्षा देने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि अगर मैं इसमें सफल रहा तो कभी भी एक पेशे के रूप में अंपायरिंग कर सकता हूं। इसलिए मैंने परीक्षा दिया और 2006 में मैं अंपायर बन गया।' मेनन पिछले 13 साल से अंपायरिंग कर रहे है। उन्होंन कहा था, 'मेरी प्राथमिकता अंपायरिंग की बजाय देश के लिए खेलना थी। मैंने हालांकि 22 साल की उम्र में खेलना छोड़ दिया था और 23 साल की उम्र में सीनियर अंपायर बन गया था। एक साथ खेलना और अंपायर करना संभव नहीं था इसलिए मैंने सिर्फ अंपायरिंग पर ध्यान देने का फैसला किया।'

मैच रैफरीः डेविड बून, जेफ क्रो, रंजन मदुगले, जवागल श्रीनाथ

अंपायरः क्रिस ब्राउन, अलीम डार, कुमार धर्मसेना, मराइस इरासमस, क्रिस गाफोन, माइकल गॉ, एड्रियन होल्डस्टॉक, रिचर्ड इलिंगवर्थ, रिचर्ड केटलबोरो, नितिन मेनन, अहसन रजा, पॉल रिफेल, लैंगटन रूसेरे, रॉड टकर, जोएल विल्सन, पॉल विल्सन।

खत्म हुआ इंतजार, नए रूप में दिखेगी टीम इंडिया, वर्ल्ड कप के लिए 13 अक्टूबर को लॉन्च होगी जर्सी

अबुधाबी। (एजेंसी)।

टी-20 विश्व कप में महज कुछ ही दिन बचे हुए है। ऐसे में इस साल लगभग सभी टीमें अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहे हैं। इस बार का वर्ल्ड कप यूएई-ओमान में हो रहा है जिसकी मेजबानी भारत कर रहा है। कई टीमें वहां पहुंच चुकी हैं तो कई टीमों के पहुंचने का सिलसिला जारी है। भारतीय टीम के अधिकतर खिलाड़ी अभी यूएई में ही है क्योंकि आईपीएल चल रहा है। ऐसे में फैंस का एक बड़ा इंतजार अब खत्म होने वाला है। 13 अक्टूबर को पता चल जाएगा कि विराट कोहली की टीम इस बार वर्ल्ड कप में किस तरह की जर्सी पहनकर उतर रही है।

बीसीसीआई की ओर से इस बात की जानकारी दी गई है। इसको लेकर ट्विटर पर एक पोस्ट डाला गया जिसमें जानकारी दी गई कि टीम इंडिया की नई जर्सी 13 अक्टूबर को लॉन्च की जाएगी। जर्सी पहले की ही तरह स्क्क्रस्श्वश्वह्लह्य द्वारा लॉन्च की जा रही है। गौरतलब है कि इस बार का वर्ल्ड कप भारत में होना था लेकिन कोरोना महामारी की वजह से इसे यूएई और ओमान में शिफ्ट किया गया है। वर्ल्ड कप का पहला

मैच 17 अक्टूबर को खेला जाएगा जबकि भारत का पहला मैच 24 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ होगा।

वर्तमान में देखें तो भारतीय टीम गहरी नीली रंग की जर्सी पहनती है जो कि पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे से लगातार चलता रहा है। हालांकि अक्सर भारतीय टीम के जर्सी में बदलाव देखा जाता है। ज्यादातर समय भारतीय टीम की जर्सी हल्की नीली रंग की ही रहती है। भारतीय टीम की जर्सी को फैंस भी काफी पसंद करते हैं। ऐसे में इस बार आपका फैंस को इसका इंतजार है कि भारतीय टीम की जर्सी में नया क्या होने वाला है?

प्लेऑफ से पहले कोलकाता की खुशी हुई दोगुनी, यह धाकड़ ऑलराउंडर हुआ फिट

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स के मुख्य सलाहकार डेविड हसी ने कहा कि टीम के चोटिल ऑलराउंडर आंद्रे रसेल के इंडियन प्रीमियर लीग के प्लेऑफ तक फिट होने की संभावना है। कोलकाता का मुकाबला सोमवार को एलिमिनेटर में तीसरे स्थान की टीम से होगा। एक ऑलराउंडर की हैसियत से आंद्रे रसेल 10 मैचों में कुल 183 रन बना चुके हैं और 11 विकेट चटका चुके हैं। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 86 रनों की बड़ी जीत करने के बाद लगभग आईपीएल 2021 के प्लेऑफ में पहुंची कोलकाता के लिए यह सोने पर सुहागा है। हसी ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''रसेल का बुधवार को फिटनेस परीक्षण हुआ था और मुझे लगता है कि वह जल्द वापसी करेगा। वह प्लेऑफ में खेलने के लिये कड़ी मेहनत कर रहा है। उसका खेलना केवल हमारे लिये ही नहीं टूर्नामेंट के लिये भी महत्वपूर्ण है। वह विश्वस्तरीय खिलाड़ी है और दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करता है।'' दिल्ली कैपिटल्स, चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं जबकि केकेआर ने चौथे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत की है। उसने लीग चरण में 14 मैचों में 14 अंक के साथ अपने अभियान का अंत किया और उसका रन रेट अन्य टीमों से बेहतर है।

अंशु मलिक ने रचा इतिहास, वर्ल्ड कुश्ती चैंपियनशिप में सिल्वर जीतने वाली बनीं पहली भारतीय

दुबई।(एजेंसी)।

भारतीय महिला पहलवान अंशु मलिक ने गुरुवार को भारत का नाम रौशन कर दिया है। बता दें कि अंशु ने विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में रजत पदक जीतकर इतिहास रचा है। वह पहली भारतीय महिला पहलवान है जिन्होंने विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में रजत पदक जीता है।

20 वर्षीय अंशु ने बुधवार को महिलाओं के 57 किग्रा सेमीफाइनल में यूरोपियन सिल्वर मेडलिस्ट यूक्रेन की सोलोमिया विन्नीक को हराया है। कैडेट विश्व चैंपियन और जूनियर विश्व रजत पदक विजेता अंशु 2010 के चैंपियन सुशील कुमार और 2018 के रजत पदक विजेता बजरंग पुनिया के बाद विश्व चैंपियनशिप

के फाइनल में पहुंचने वाली तीसरी भारतीय बनी हैं। अंशु के अलावा भारतीय महिला पहलवान जिन्होंने कांस्य पदक जीते हैं वो हैं गीता फोगट (2012), बबीता फोगट (2012), पूजा ढांडा (2018) और विनेश फोगट (2019)।

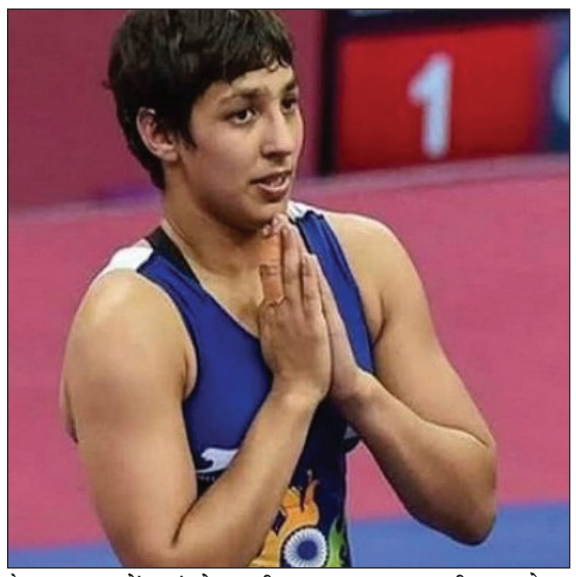

कौन है अंशु मलिक

अंशु मलिक हरियाणा के जिंद जिले के निदानी गांव से हैं, यह गांव पहलवानों और मुक्केबाजों के लिए ही प्रसिद्ध है। अंशु ने साल 2012 में गांव के सीबीएसएम स्पोर्ट्स स्कूल में अपने भाई शुभम को देखकर कुश्ती में हाथ आजमाने की कोशिश शुरू की। हरियाणा के इस पहलवान ने साल 2016 में ताइवान में एशियाई जूनियर चैंपियनशिप में रजत पदक और उसी वर्ष जॉर्जिया में विश्व कैडेट चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। अंशु के पिता धर्मवीर भी एक पूर्व पहलवान हैं और उन्होंने 1990 के दशक में जूनियर कुश्ती टीम में भारत के लिए कुश्ती लड़ी थी। घुटने की चोट के बाद धर्मवीर को अपने पेशेवर करियर पहलवानी को छोड़ने पर मजबुर होना पड़ा।

लंबे इंतजार के बाद श्रीलंका को मिली खिताबी जीत, 2014 का विश्वकप जीत संगाकारा और जयवर्धने को दी थी विदाई

नई दिल्ली। दो बार वनडे और एक बार टी-20 विश्वकप के फाइनल में हार का स्वाद चख चुके श्रीलंका ने आखिरकार टी-20 विश्वकप जीतकर अपने दो बड़े खिलाड़ी कुमार संगाकारा और जयवर्धने को विदाई दी।

खिताबी लड़ाई में कागज पर भारत श्रीलंका से थोड़ी बेहतर लग रही थी क्योंकि भार फाइनल से पहले एक भी मैच नहीं हारा था वहीं श्रीलंका ग्रुप लीग में एक मैच हार गया था। लेकिन श्रीलंका ने यह मौका अपने हाथ से जाने नहीं दिया।

ग्रुप में थी तगड़ी टीमें फिर भी टॉप किया श्रीलंका ने बांग्लादेश में खेले गए इस विश्वकप के ग्रुप लीग में श्रीलंका के सामने दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड जैसी मुश्किल टीमें थी लेकिन श्रीलंका सिर्फ इंग्लैंड के हाथों 6 विकेट से हारा और असोसिएट टीम नीदरलैंड को भी हराया। स्पिन की मददगार पिचों के कारण श्रीलंका को भारत के बाद कप जीतने का दावेदार माना जाने लगा।

पेरिस ओलंपिक तक इस कोच के साथ ट्रेनिंग करना चाहते हैं नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने अपने मौजूदा कोच जर्मनी के क्लाउस बार्टोनिट्ज को खुद लिए 'सर्वश्रेष्ठ' बताते हुए शुक्रवार को कहा कि वह 2024 के पेरिस खेलों में भी अपनी यह शानदार साझेदारी जारी रखना चाहेंगे। 'इंडिया टुडे कॉन्क्लेव' में एक परिचर्चा के दौरान, चोपड़ा ने कहा कि बार्टोनिट्ज के तरीके उनके अनुकूल हैं क्योंकि यह बायो-मैकेनिक विशेषज्ञ गंभीर सत्रों के दौरान भी चुटकुले सुनाकर माहौल खुशनुमा बना देता है। उन्होंने देश के पहले व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा की मौजूदगी में कहा, '' कई बार, अभ्यास सत्र के दौरान मैं बहुत गंभीर नहीं रहना चाहता हूं। कई कोच ऐसे होते है जो डंडा पकड़ के पीछे खड़े होते हैं लेकिन क्लाउस सर ऐसे नहीं है।'' इस 23 साल के खिलाड़ी ने कहा, ''अभ्यास में जब भी हमें गंभीर और पूरा दमखम लगाना होता है, तो हम गंभीरता से काम करते हैं लेकिन सत्र के बीच में कभी-कभी वह चुटकुले सुनाते हैं और इससे प्रशिक्षण के दौरान माहौल आनंदमय हो जाता है।''

तोक्यो खेलों में स्वर्ण पदक के साथ ही एथलेटिक्स में पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने नीरज ने कहा, '' उनके प्रशिक्षण के तरीके मेरे अनुकूल हैं और मेरी उनसे काफी अच्छी बनती है। मैं अगले ओलंपिक के लिए भी उनके साथ प्रशिक्षण जारी रखना चाहता हूं।'' चोपड़ा 2019 से बार्टोनिट्ज के साथ प्रशिक्षण ले रहे हैं। वह पहले जर्मनी के ही पूर्व विश्व रिकॉर्ड धारक उवे होन की देख रेख में प्रशिक्षण ले रहे थे, जिन्हें हाल ही में भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने उनके वेतन और प्रशिक्षण विधियों सहित कई मतभेदों के कारण कार्यमुक्त कर दिया था। चोपड़ा तोक्यो में अपनी ऐतिहासिक उपलब्धि के बाद पूरे देश के चहेते बन गये थे, लेकिन 2019 में अपने मुख्य हाथ की कोहनी की सर्जरी से गुजरने के बाद उन्हें अनिश्चित समय का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा, ''जब मेरी सर्जरी हुई थी तब वह मेरे लिए यह बहुत कठिन समय था। मुझे 30-45 दिनों के लिए पूर्ण आराम करना था। मैंने जल्दी वापस आने के लिए चीजों को पूरा किया। मुझे धीमी साइकिल चलाने के लिए व्यायाम करने के लिए कहा गया था लेकिन मैंने वापसी के लिए जल्दबाजी की जिससे मेरे पैरों में चोट लग गई।'' उन्होंने कहा, ''मैं विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा लेने से चूक गया जिसमें पदक विजेताओं ने वह दूरी तय की जो मैं कर सकता था। लेकिन मुझे खुशी थी कि इन सब के बाद मैं अपने पहले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर सका।''

बिंद्रा ने कहा कि 2008 के बीजिंग खेलों में उनके स्वर्ण पदक जीतने के बाद भारत को दूसरा स्वर्ण जीतने में 13 साल का समय लगा यह देश में खेल के धीमी विकास को दर्शाता है। उन्होंने कहा, ''13 साल (एक और स्वर्ण जीतने के लिए) लगना एक धीमी प्रगति है लेकिन फिर भी भारतीय खेल प्रगति कर रहा है और अगला दशक खेल के विकास में भारत का दशक हो सकता

है।'' उन्होंने कहा, '' इसके अलावा, भारतीय एथलीटों की आज की पीढ़ी निडर, आत्मविश्वास से भरी हुई है और नीरज उनमें से एक है। मौजूदा एथलीटों को जिस तरह के संसाधन मिल रहे हैं, उसकी किसी भी देश में मिलने वाली सुविधाओं से की जा सकती है।'' अपने बारे में बात करते हुए, बिंद्रा ने कहा, मैं मूल रूप से थोड़ा डरपोक और शर्मीला व्यक्ति हूं। मैंने अपने पूरे करियर में अपनी काबिलियत पर संदेह किया।

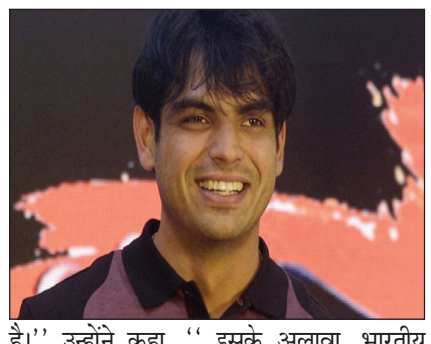

बोले केएल राहुल, संकट से निपटना सीख लिया तो हम भी हैं शीर्ष टीम

नई दिल्ली। अगर हम संकट से निपटना सीख गए तो हम भी शीर्ष टीमों में से एक बनकर उभरेंगे पंजाब किंग्स टीम के कप्तान केएल राहुल ने कहा। कल दुबई में आयोजित आईपीएल टी20 के 45वें मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स टीम 5 विकेट से गिरी पंजाब किंग्स टीम। कोलकाता नाइट राइडर्स टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 165 रन जोड़े। उन्होंने टॉस जीतने के लिए 166 रन जोड़े पंजाब किंग्स टीम ने 3 गेंद शेष रहते 5 विकेट खो दिए और 168 रन से जीत दर्ज की। कप्तान केएल राहुल को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया, जिसने पंजाब किंग्स की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 55 गेंदों में 67 रन (2 छक्के, 4 चौके) राहुल नॉक आउट हो गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आज की आवश्यकता

सब्जी बगीचा

अच्छे स्वास्थ्य के लिए दैनिक आहार में संतुलित पोषण का होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। फल एवं सब्जियाँ इसी संतुलन को बनाए रखने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते है क्योंकि ये विटामिन, खनिज लवण तथा कार्बोज के अच्छे स्रोत होते हैं। फिर भी ये जरुरी हैं कि इन फल एवं सब्जियों की नियमित उपलब्धता बनी रहे. इसके लिए घर के पिछवाडें मे पडी जमीन पर खेती करना बहुत ही लाभदायक उपाय हैं। पोषाहार विशेषज्ञों के अनुसार संतुलित भोजन के लिए एक वयस्क व्यक्ति को प्रतिदिन 85 ग्राम फल और 300 ग्राम साग-सब्जियों का सेवन करना चाहिए। परन्तु हमारे देश में साग-सब्जियों का वर्त्तमान उत्पादन स्तर प्रतिदिन, प्रतिव्यक्ति की खपत के हिसाब से मात्र 120 ग्राम है।

सब्जी बगीचा

- उपलब्ध स्वच्छ जल के साथ रसोईघर एवं स्नानघर से निकले पानी का उपयोग कर घर के पिछवाड़े में उपयोगी साग-सब्जी उगाने की योजना बना सकते हैं।
- एकत्रित अनुपयोगी जल का निष्पादन हो सकेगा और उससे होने वाले प्रदूषण से भी मुक्ति मिल जाएगी।
- सीमित क्षेत्र में साग-सब्जी उगाने से घरेलू आवश्यकता की पूर्ति भी हो सकेगी।
- सब्जी उत्पादन में रासायनिक पदार्थों का उपयोग करने की जरूरत भी नहीं होगी।

अतः यह एक सुरक्षित पद्धति है तथा उत्पादित साग-सब्जी कीटनाशक दवाईयों से भी मुक्त होंगी।

सब्जी बगीचा के लिए स्थल

सब्जी बगीचा के लिए स्थल घर का पिछवाड़ा ही होता है जिसे हम लोग बाड़ी

भी कहते हैं। यह सुविधाजनक स्थान होता है क्योंकि परिवार के सदस्य खाली समय में साग-सब्जियों पर ध्यान दे सकते हैं तथा रसोईघर व स्नानघर से निकले पानी आसानी से सब्जी की क्यारी की ओर घुमाया जा सकता है। सब्जी बगीचा का आकार भूमि की उपलब्धता और व्यक्तियों की संख्या पर निर्भर करता है। चार या पाँच व्यक्ति वाले औसत परिवार के लिए 1/20 एकड़ जमीन पर की गई सब्जी की खेती पर्याप्त हो सकती है।

पौधा लगाने के लिए खेत तैयार करना

सर्वप्रथम 30-40 सेंमी की गहराई तक कुदाली या हल की सहायता से जुताई करें। खेत से पत्थर, झाड़ियों एवं बेकार के खर-पतवार को हटा दें। खेत में अच्छे ढंग से निर्मित 100 कि.ग्राम कृमि खाद चारों ओर फैला दें। आवश्यकता के अनुसार 45 सेंमी या 60 सेंमी की दूरी पर मेड़ या क्यारी बनाएँ।

सब्जी बीज की बुआई और पौध रोपण

सीधे बुआई की जाने वाली सब्जी जैसे -भिंडी, पालक एवं लोबिया आदि की बुआई मेड़ या क्यारी बनाकर की जा सकती है। दो पौधे 30 सेंमी की दूरी पर लगाई जानी चाहिए। प्याज, पुदीना एवं धनिया को खेत के मेड़ पर उगाया जा सकता है।प्रतिरोपित फसल, जैसे - टमाटर, बैगन और मिर्ची आदि को एक महीना पूर्व में नर्सरी बेड या टूटे मटके में उगाया जा सकता है। बुआई के बाद मिट्टी से ढ़ककर उसके ऊपर 2सब्जी बगीचा का मुखय उद्देश्य अधिकतम लाभ प्राप्त करना है तथा वर्ष भर घरेलू साग-सब्जी की आवश्यकता की पूर्ति करना है। बगीचा के एक छोर पर बारहमासी पौधों को उगाया जाना चाहिए जिससे इनकी छाया अन्य फसलों पर न पड़े तथा अन्य साग-सब्जी फसलों को पोषण दे सकें। बगीचा के चारों ओर तथा आने-जाने के रास्ते का उपयोग विभिन्न अल्पावधि हरी साग-सब्जी जैसे - धनिया, पालक, मेथी,पुदीना आदि उगाने के लिए किया जा सकता है।

50 ग्राम नीम के फली का पाउडर बनाकर छिड़काव किया जाता है ताकि इसे चीटियों से बचाया जा सके। टमाटर,गोभी, बैगन, मिर्ची के लिए 25-30 दिनों की बुआई के बाद तथा प्याज के लिए 40-45 दिनों के बाद पौधे को नर्सरी से निकाल दिया जाता है।टमाटर, बैंगन और मिर्ची को 30-45 सेंमी की दूरी पर मेड़ या उससे सटाकर रोपाई की जाती है। प्याज के लिए मेड़ के दोनों ओर रोपाई की जाती है। रोपण के बाद पौधों की सिंचाई की जाती है।

फसल चक्र

वर्षा, शरद और ग्रीष्म की फसलें तालिका में बतलाए अनुसार लेना चाहिए -

वर्ष भर उगाने के लिए फसल चक्र

खरीफ	रबी	जायद	खरीफ	रबी	जायद
पालक	मिर्च	ककडी	बैंगन	मूली	भण्डी
तरोई	लहसून	छप्पन कद्दू	लोबिया	आलू	कद्दू
टमाटर	मैथी	तरबूज	मूली	प्याज	धनिया
टिण्डा	मटर	टमाटर	प्याज	पालक	करेला
भिण्डी	पत्तागोभी	करेला	भिण्डी	मूली	तरोई
लौकी	आलू	खरबूज	धनिया	फूलगोभी	लौकी
फूलगोभी	धनिया	प्याज	पुदीना	पुदीना	पुदीना
मिर्च	बाकला	टिण्डा	केला	केला	केला
ग्वार	बैंगन	बैंगन	नींबू	नींबू	नींबू
मिर्च	गाजर	पालक	पपीता	पपीता	पपीता

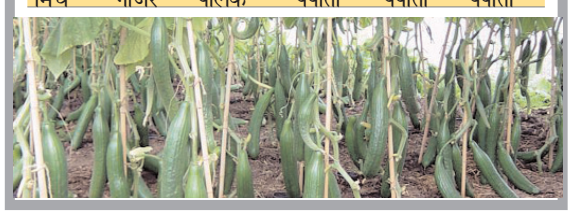

उत्तर भारत में खरीफ मौसम में प्याज की खेती

उत्तरी भारत में प्याज रबी की फसल है यहां प्याज का भंडारण अक्टूबर माह के बाद तक करना सम्भव नही है क्योकि कंद अंकुरित हो जाते हैं।

इस अवधि(अक्टूबर से अप्रैल) में उत्तर भारत में प्याज की उपलब्ध्ता कम होने तथा परिवहन खर्चे के कारण दाम बढ जाते हैं। इसके समाधान के लिए कृषि वैज्ञानिकों ने उत्तर भारत के मैदानो में खरीफ में भी प्याज की खेती के लिए एन-53(ह्र-53) तथा एग्रीफाउंड डार्क रैड नामक प्याज की किस्मों का विकास किया है।

प्याज की किस्म - एन-53(आई.ए.आर.आई.); एग्रीफाउंड डार्क रैड (एन.एच.आर.डी.एफ.)

बीज बुआई समय - मई अंत से जून

रोपाई का समय - मध्य अगस्त

कटाई - दिसम्बर से जनवरी

पैदावार - 150 से 200 क्विंटल/हैक्टेयर

अरहर

में रोग प्रबंधन

अरहर खरीफ की मुख्य दलहनी फसल है। दलहनी फसलों में चना के बाद अरहर का स्थान है। अरहर अंतर फसल एवं बीच के फसल के रूप में उगाई जाती है, अरहर ज्वार, बाजरा, उर्द एवं कपास के साथ बोई जाती है ।अन्य फलों की तरह अरहर में भी रोग का प्रकोप होता है जिनमें से कुछ रोगों के संक्षिप्त विवरण एवं प्रबंधन नीचे दर्शाया गया है ।

उकठा रोग (विल्ट)

यह रोग फ्यूजेरियम नामक कवक से होता है । इस रोग में पौधा पीला पड़कर सुख जाता है । फसल में फूल एवं फल लगने की अवस्था में एवं बारिश के बाद इस रोग का प्रकोप अधिक होता है । रोग ग्रसित पौधों की जडें सड़कर गहरे रंग की हो जाती हैं तथा छाल हटाने पर जड़ से लेकर तने तक काले रंग की धारियां पाई जाती हैं । एक ही खेत में कई वर्षों तक अरहर की फसल लेने पर इस रोग की उग्रता बढती है ।

उकठा रोग (विल्ट)

प्रबंधन –

- जिस खेत में रोग का प्रकोप अधिक हो वहां 3-4 साल तक अरहर की फसल न लें ।
- खेतों की ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करें ।
- ज्वार के साथ अरहर की फसल लेने से रोग की तीव्रता में कमी की जा सकती है।
- कवक नाशी जैसे बेनोमील 50त्न + थायरम 50त्न के मिश्रण का तीन ग्राम प्रति किलो बीज की डर से उपचारित करें ।
- ट्राइकोडर्मा 4 ग्राम/किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करके बोएं ।
- रोग रोधी किस्में आशा, राजीव लोचन, सी -11 आदि का उपयोग बुआई हेतु करें ।

अरहर का बाँझ रोग -

यह रोग विषाणु जनित है जिसका वाहक एरियोफिड माईट है जो की एक प्रकार का सूक्ष्म जीव है। इस रोग की अधिकता के कारण 75% तक उत्पादन में कमी देखी गयी है । रोग से ग्रसित पौधे पीलापन लिए हुए झाड़ीनुमा हो जाते हैं । पत्तियों के आकार में कमी, शाखाओं की संख्या में वृद्धि तथा पौधों में आंशिक या पूर्ण रूप से फूलों का नहीं आना इस रोग के प्रमुख लक्षण हैं। फूल नहीं आने से फल नहीं लगते इसलिए इस रोग को बाँझ रोग कहते हैं । फसल पकने की अवस्था में रोगी पौधे लम्बे समय तक हरे दिखाई देते हैं जबकि स्वस्थ पौधे परिपक्व होकर सूखने लगते हैं ।

अरहर का बाँझ रोग -

प्रबंधन-

- जिस खेत में अरहर लगाना हो उसके आसपास अरहर के पुराने एवं स्वयं उगे हुए पौधे नष्ट कर देना चाहिए।
- खेत में जैसे ही रोगी पौधे दिखे उनको उखाड़कर नष्ट कर देना चाहिए।
- फसल चक्र अपनाना चाहिए।
- रोग रोधी प्रजातियाँ जैसे– पूसा-9, आई.सी.पी.एल.-87119, राजीव लोचन, एम.ए.-3, 6, शरद आदि का चयन करना चाहिए।
- फयूराडान 3 जी., की 3 ग्राम मात्रा प्रति किलो बीज की डर से उपचारित करना चाहिए एवं फसल की प्रारंभिक अवस्था में कैल्थेन (1 मिली./ली. पानी) का छिडकाव रोगवाहक माईट के रोकथाम में प्रभावी होता है ।

तना अंगमारी रोग (स्टेम ब्लाइट)-

यह रोह कवक के द्वारा होता है। इसका प्रकोप । दिन से लेकर एक माह के पौधों में दिखाई देता है । शीघ्र पकने वाली किस्मों में इस रोग का प्रभाव अपेक्षाकृत अधिक होता है । प्रभावित पौधों की पत्तियों पर पनीले धब्बे बन जाते हैं एवं एक सप्ताह के भीतर पूरी पत्तियां जलकर नष्ट हो जाते हैं । साथ ही तने एवं शाखाओं पर धब्बे गोलाई में बढ़कर उतने भाग को सुखा देते हैं, जिससे तना एवं शाखाएं टूट जाती हैं । इस रोग का प्रकोप कम उम्र के पौधों में अपेक्षाकृत अधिक होता है। अनुचित जल निकास वाले क्षेत्रों में भी इस बीमारी का प्रभाव अधिक होता है ।

तना अंगमारी रोग (स्टेम ब्लाइट)- प्रबंधन -

- बीजों को बुवाई से पूर्व रिडोमिल नामक कवकनाशी की 2 ग्रा. मात्रा प्रति किग्रा.बीज की से उपचारित करें ।
- खेतों में जल निकास की उचित व्यवस्था करें ।
- जहाँ इस रोग का प्रकोप अधिक होता है वहां 3-4 वर्ष तक अरहर की फसल नहीं लेनी चाहिए ।
- रोग की प्रारंभिक अवस्था में ताम्रयुक्त कवकनाशी जैसे फायटोलान 50त्न की 2.5 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से या रिडोमिल एम.जेड. 1.5 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से 10-12 दिन के अन्तराल में छिडकाव करना चाहिए ।
- रोगरोधी किस्में जैसे :– पूसा-9, एन.ए.-1, एम.ए.-6, बहार, शरद, अमर आदि का चुनाव करना चाहिए।

सार समाचार

नोबेल शांति पुरस्कार 2021 का ऐलान, इन दो पत्रकारों को चुना गया

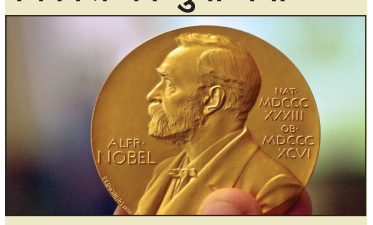

ओस्लो शांति के क्षेत्र में काम करने के लिए दिए जाने वाले नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा शुक्रवार को होने जा रही है। यह पुरस्कार किसी उस संगठन या व्यक्ति को दिया जाता है, जिसने राष्ट्रों के बीच भाइचारे और बंधुत्व को बढ़ाने के लिए सर्वश्रेष्ठ काम किया हो। फिलीपीन की पत्रकार मारिया रसा और रूसी पत्रकार दमित्री मुरातोव को नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया है। यह पुरस्कार उन्हें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए उनके संघर्ष को लेकर दिया गया है। विजेताओं की घोषणा शुक्रवार को नॉर्वेजियन नोबेल समिति के अध्यक्ष बेरिट रीस-एंडरसन ने की। पिछले साल यह पुरस्कार विश्व खाद्य कार्यक्रम को दिया गया था, जिसकी स्थापना 1961 में विश्व भर में भूख से निपटने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ड्वाइट आइजनहावर के निर्देश पर किया गया था। रोम से काम करने वाली संयुक्त राष्ट्र की इस एजेंसी को वैश्विक स्तर पर भूख से लड़ने और खाद्य सुरक्षा के प्रयासों के लिए यह पुरस्कार दिया गया। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के तहत एक स्वर्ण पदक और एक करोड़ स्वीडिश क्रोनर (11.4 लाख डॉलर से अधिक राशि) दिये जाते हैं।

दक्षिण चीन सागर में किसी वस्तु से टकराई अमेरिकी नौसेना की पनडुब्बी, 11 घायल

वाशिंगटन। अमेरिकी नौसेना की एक पनडुब्बी ने दक्षिण चीन सागर में किसी वस्तु को टक्कर मारी। गनीमत यह रही कि किसी को जानलेवा चोटें नहीं आयी और पनडुब्बी परिचालन के लिहाज से ठीक स्थिति में है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। घटना की संक्षिप्त जानकारी मुहैया कराते हुए अमेरिकी पैसिफिक फ्लीट ने कहा कि पनडुब्बी 'यूएसएस कनेक्टिकट' अब भी ''सुरक्षित और स्थिर स्थिति'' में है। बयान में कहा गया है, ''बाकी की पनडुब्बी को हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।'' उसने बताया कि इस घटना की जांच की जाएगी। बयान में घटना का स्थान नहीं बताया गया है लेकिन नौसेना के दो अधिकारियों ने गोपनीयता की शर्त पर बताया कि यह घटना दक्षिण चीन सागर में हुई जब कनेक्टिकट नियमित अभियान पर था। अधिकारियों ने बताया कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि पनडुब्बी किस वस्तु से टकरायी लेकिन यह कोई अन्य पनडुब्बी नहीं थी। एक अधिकारी ने बताया कि यह डूबा हुआ जहाज, डूबे हुए जहाज का कोई कंटेनर या कोई अन्य वस्तु हो सकती है। उन्होंने बताया कि कनेक्टिकट में सवार दो नौसैनिकों को चोटें आयी हैं और करीब नौ अन्य को मामूली चोटें आयी हैं। सभी का पनडुब्बी में ही इलाज किया गया।

कोविड: संरा ने साल के अंत तक हर देश की 40 फीसदी आबादी के टीकाकरण की रणनीति पेश की

संयुक्त राष्ट्र7 टीका असमानता की चिंताओं के बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने बृहस्पतिवार को कोविड-19 रोधी वैश्विक टीकाकरण रणनीति की शुरुआत की जिसका उद्देश्य इस साल के अंत तक हर देश की 40 फीसदी जबकि 2022 के मध्य तक 70 फीसदी आबादी का टीकाकरण करना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, इसने सितंबर के अंत तक हर देश और क्षेत्र की 10 फीसदी आबादी के टीकाकरण का लक्ष्य रखा था लेकिन उस तारीख तक 56 देश ऐसा नहीं कर पाए थे, जिनमें से अधिकतर अफ्रीका और पश्चिम एशिया के देश रहे। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक डॉ टेड्रोस अदनोम गेब्रेयासुस के साथ संयुक्त ऑनलाइन प्रेसवार्ता के दौरान गुतारेस ने कहा, टीके की असमानता कोविड महामारी की सबसे अहम सहयोगी है। इससे वायरस के स्वरूपों को विकसित होने और तेजी से फैलने का मौका मिलता है जिससे दुनिया में और अधिक लोगों की जान चली जाती है। साथ ही आर्थिक मंदी बढ़ रही है जिससे खरबों डॉलर का नुकसान हो सकता है।

तालिबान के लिए परेशान है पाकिस्तान, बिल गेट्स से मदद की गुहार लगा रहे इमरान

इस्लामाबाद। आतंकियों को पनाह देने वाला पाकिस्तान दुनिया के सामने कई बार तालिबान की पैरवी कर चुका है। अब एक बार फिर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने अफगानिस्तान के लिए मदद मांगी है। इमरान खान ने अफगानिस्तान के लिए माइक्रोसॉफ्ट के फाउंडर और अरबपति बिल गेट्स से मदद मांगी है। इमरान ने ये मदद अफगानिस्तान को मानवीय सहायता मुहैया कराने के लिए मांगी है। खबरों की माने तो इमरान खान ने गेट्स से फोन पर बातचीत की है। पाकिस्तान के जियो टीवी के मुताबिक, 5 अक्टूबर को टेलीफोन पर बातचीत पर पीएम इमरान खान ने बिल गेट्स से कहा है कि युद्धग्रस्त देश अफगानिस्तान में आधी से अधिक आबादी गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रही है। उन्हें वित्तीय सहायता की सख्त जरूरत है। पाकिस्तान पीएम ऑफिस से दिए गए बयान की माने तो इमरान ने बिल गेट्स से अफगानिस्तान के स्वास्थ्य प्रणाली को लेकर बात की है। दोनों लोगों ने अफगानिस्तान की स्वास्थ्य प्रणाली को लेकर बातचीत की है। इसके साथ ही पोलियो को लेकर भी बात हुई है क्योंकि दुनिया में पाकिस्तान और अफगानिस्तान में अब तक पोलियो का खतरा बना हुआ है। इमरान खान और बिल गेट्स ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान से संक्रामक रोगों को मिटाने के अपने संकल्प को और मजबूत करने की बात कही। इमरान खान ने बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा पोलियो उन्मूलन को लेकर की गई सहायता को लेकर सराहना की है।

मॉरीशस के पूर्व प्रधानमंत्री रामगुलाम को एम्स में मिली नई जिंदगी, कहा- कोविड में खुद न करें उपचार

कोलंबो।(एजेंसी)।

मॉरीशस के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम की अचानक तबीयत बिगड़ी जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए भारत लाया गया। बता दें कि, 73 साल के रामगुलाम को हाल ही में कोरोना संक्रमण हुआ था जिससे वह उबर भी गए थे लेकिन कोरोना के बाद उन्हें कई परेशानियों से जूझना पड़ रहा था जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए भारत लाया गया।

तबीयत ठीक होने के बाद नवीनचंद्र रामगुलाम ने गुरुवार को अग्रेंजी अखबार ञ्हठ्ठ से एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि, अगर मैं आज जीवित हूं, तो यह एम्स और भारत सरकार के डॉक्टरों और नर्सों की वजह से है, एक डॉक्टर होने के बावजूद, रामगुलाम ने कहा कि उन्होंने गलती की है कि उन्होंने हमेशा दूसरों को आगाह किया कि कोरोना का इलाज पहले खुद से करें। उन्होंने खुलासा किया कि, जब मुझे कोविड -19 के लक्षण दिखने शुरू हुए, तो मैं तुरंत अस्पताल नहीं गया और मैंने खुद का इलाज किया। इससे जटिलताएं पैदा हुईं। बता दें कि मॉरीशस अस्पताल के डॉक्टरों ने खुद पूर्व प्रधानमंत्री को बेहतर इलाज के लिए यूके या भारत जाने की सलाह दी जिसमें से उन्होंने भारत को चुना।

9 सितंबर को आए थे दिल्ली

74 वर्षीय रामगुलाम को 9 सितंबर को दिल्ली लाया गया और भारत सरकार की सलाह के अनुसार एम्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया। भर्ती के समय उनकी स्थिति गंभीर थी क्योंकि उनके फेफड़ों में गंभीर समस्या शुरू हुई थी और उच्च स्तर पर ऑक्सीजन देने की जरूरत थी।पूर्व पीएम अब बीमारी से उबरने के बाद अपने देश लौटने के लिए तैयार हैं।रामगुलाम ने कहा कि, कोविड के लक्षण विकसित होने पर तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए और वैक्सीन जरूर कराएं। ऐसे कई लोग हैं जो टीकाकरण नहीं करवा रहे है लेकिन यह काफी महत्वपूर्ण है खासकर वृद्ध लोगों के लिए। बता दें कि नेता को पूरी तरह से टीका नहीं लगाया गया था।

मॉरीशस में 100 से पार कोरोना मरीजों की मौत

मॉरीशस में, स्थानीय सरकार का दावा है कि महामारी शुरू होने के बाद से कोविड से लगभग 100 लोग मारे गए हैं। कोरोना को नियमों पालन करने के साथ ही रामगुलाम ने कहा कि, हमें सामाजिक दूरी बनाए रखनी होगी, मास्क पहनना होगा और स्वच्छता के उपायों का पालन करना होगा।

1995 से 2000 देश के प्रधानमंत्री के रूप में किया काम

मॉरीशस के प्रधानमंत्री के रूप में डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम ने 1995 से 2000 तक अपने देश के प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। उन्हें 2005 में फिर से प्रधानमंत्री के रूप में चुना गया। उन्होंने कहा कि दूसरी कोविड लहर से पहले, कई लोग सावधानियों का पालन नहीं कर रहे है और त्योहारों में भाग ले रहे है जिससे संक्रमण के तेजी से फैलने का खतरा बढ़ रहा है। बता दें कि,पूर्व पीएम का भारत से पुराना नाता है। कहा जाता है कि उनके पूर्वज बिहार के रहने वाले थे। 2008 में, रामगुलाम ने राज्य का दौरा भी किया था।

तालिबान से रिश्ते बनाने के लिए उतावला रूस, बातचीत के लिए मॉस्को बुलाने की कर रहा तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बंदूक के बल पर अफगानिस्तान की लोकतांत्रिक सरकार को सत्ता से हटाने के बाद कट्टर इस्लामिक समूह तालिबान से रूस नजदीकियां बढ़ाने में लगा है। तालिबान से चीन जैसे देशों को समर्थन मिलना काफी पहले से शुरू हो गया था। रूस ने तालिबान के काबुल पर कब्जे के बाद से ही कहना शुरू कर दिया था कि उसे मौका मिलना चाहिए। अब तो ताजा खबर ये मिल रही है कि रूस तालिबान के प्रतिनिधियोमं को बातचीत के लिए मॉस्को बुलाने की तैयारी में है। अफगानिस्तान में रूसी राष्ट्रपति के विशेष दूत जमीर काबुलोव ने कहा कि रूस 20 अक्टूबर को मास्को में अफगानिस्तान पर अंतरराष्ट्रीय वार्ता के लिए तालिबान को आमंत्रित करेगा। रूसी पत्रकारों के एक सवाल क्या अफगानिस्तान के मसले पर अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में तालिबान को भी आमंत्रित किया जाएगा? जिसका जवाब देते हुए काबुलोव ने कहा कि रूस 20 अक्टूबर को मॉस्को में अफगानिस्तान पर अंतरराष्ट्रीय वार्ता के लिए तालिबान को आमंत्रित करने जा रहा है। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि तालिबान का प्रतिनिधित्व कौन करेगा।

रूसी समाचार एजेंसियों के अनुसार काबुलोव ने यह भी कहा कि रूस, संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और पाकिस्तान के राजनयिक इस महीने अफगानिस्तान पर बातचीत करेंगे। रूस ने तालिबान के साथ संपर्क स्थापित करने के लिए वर्षों तक काम किया था, भले ही वह अभी भी आधिकारिक तौर पर इसे एक आतंकवादी संगठन मानता है। कई अन्य देशों के विपरीत, रूस ने काबुल में अपना दूतावास खाली नहीं किया है और राजधानी पर कब्जा करने के बाद उसके राजदूत ने तालिबान से तुरंत मुलाकात की।

रूस की नजर अफगानिस्तान पर

1980 के अंत में रूस को जिस तरह से अफगानिस्तान से परास्त होकर बाहर निकलना पड़ा था। एकदम उसी तर्ज पर 2021 में अमेरिका भी अफगानिस्तान से बाहर हुआ है। अमेरिकी सैनिकों के बाहर निकलते ही चीन का प्रभाव तुर्कमेनिस्तान, उज्बेकिस्तान, ताजिकिस्तान, कजाकिस्तान समेत समूचे मध?य एशियाई के देशों में बढ़ जाएगा। यह पूरा क्षेत्र रूस का आंगन कहलाता है। यह देश पहले सोवियत संघ का हिस्सा हुआ करते थे। जाहिर है कि अगर ड्रैगन का प्रभाव इस क्षेत्र में बढ़ता है तो रूस को डर है कि उसकी साख कम होगी। तालिबान की जीत के साथ रूस को मध्य एशिया में अपने लिए भारी गुंजाइश दिख रही है। रूस की नजर अफगानिस्तान के बंदरगाहों पर रही है। रूस अफगानिस्तान के रास्ते ईरान होते हुए अरब की खाड़ी पहुंच सकता है। इसके अलावा तालिबान को खुश रखने में चेचन्या विद्रोहियों पर लगाम लगाने में सहायता मिलेगी।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री ने चीन पर लगाया दबाव बनाने का आरोप, ताइवान के लिए दिखाई एकजुटता

ताइपे।(एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी एबॉट ने ताइवान की यात्रा के दौरान चीन पर दूसरों को परेशान करने वाला रवैया अपनाने का आरोप लगाया और द्वीप राष्ट्र के साथ एकजुटता व्यक्त की। एबॉट ने शुक्रवार को ताइवान में एक सम्मेलन में कहा, '' अभी दबाव बनाने के लिए ताइवान के साथ एकजुटता दिखाने से अधिक लाभकारी कुछ नहीं होगा।''

चीन स्व-शासित ताइवान को अपना क्षेत्र बताता है और इसीलिए द्वीप के साथ किसी भी अंतरराष्ट्रीय जुड़ाव का विरोध करता है, जैसे कि विदेशी सरकारी अधिकारियों की यात्रा। ताइवान का सैन्य उत्पीड़न करते हुए शुक्रवार से सोमवार के बीच चीन ने ताइपे की ओर कई बार लड़ाकू विमान उड़ाए हैं। एबॉट ने यह टिप्पणी ताइवान सरकार द्वारा समर्थित एक थिंक-टैंक के सम्मेलन में की। वहीं, ऑस्ट्रेलिया सरकार ने कहा है कि एबॉट की ताइवान यात्रा अनधिकृत है। ताइवान की राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन ने चीन का कोई भी प्रत्यक्ष उल्लेख ना करते हुए, पूरी तरह संयमित भाषण के साथ इस सम्मेलन का शुभारंभ किया। उन्होंने चीन का उल्लेख नहीं किया, लेकिन कहा, ताइवान, दक्षिण चीन सागर और ताइवान जलडमरूमध्य में सशस्त्र संघर्ष को रोकने के लिए क्षेत्रीय ताकतों के साथ सहयोग करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

ट्रंप के बयान से पूरी दुनिया में मची हलचल, क्या अमेरिका पर हमला करने वाला है चीन?

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद से ही अमेरिका और चीन आमने-सामने है। तालिबान को मदद को लेकर अमेरिका चीन से खासा नाराज है। चीन हमेशा से अमेरिका से बड़ी शक्ति बनने की कवायद करता रहता है। लेकिन गलत नीति की वजह से चीन अमेरिका से आगे नहीं बढ़ पा रहा है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि चीन के साथ अमेरिका का युद्ध हो सकता है। उन्होंने युद्ध का कारण भी बताया है।

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जो बाइडेन पर हमला बोलते हुए हुए एक बयान में कहा, 'क्योंकि चुनाव में धांधली की गई, और अमेरिका में अब कमजोर एवं भ्रष्ट नेतृत्व है तथा हमें चीन के साथ युद्ध का सामना

करना पड़ सकता है। ट्रंप ने कहा कि बाइडेन की कमजोर सरकार की वजह से अमेरिका पर चीन हमला कर सकता है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका में अब कमजोर और भ्रष्ट सरकार होने के कारण वाशिंगटन का सम्मान बीजिंग नहीं करता है। इस बीच पिछले सप्ताह ताइवान के पास सैन्य विमानों की बड़ी संख्या में आवाजाही के साथ चीन अपनी सैन्य शक्ति दिखा रहा है और उसने क्षेत्र में अपने प्रभुत्व का दावा करते हुए इस द्वीपीय देश की परेशानियां बढ़ा दी हैं।

ट्रंप की टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अमेरिका और चीन के अधिकारी दोनों देशों के बीच जारी तनाव के बीच बैठक हुई। गौरतलब है कि पहले ट्रेड वॉर और दक्षिण चीन सागर में चीन की दादागिरी को लेकर दोनों महाशक्तियों के बीच तनाव पिछले काफी समय से चल रहा है। जिसमें कोरोना महामारी ने आग में घी डालने का काम किया। ट्रंप ने चीन पर कोरोना संक्रमण फैलाने का आरोप भी लगाया था।

अमेरिकी सैनिक गुप्त रूप से ताइवान सुरक्षा बलों को दे रहा प्रशिक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)।

एक हालिया मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि, अमेरिका एक साल से गुप्त रूप से ताइवान में सैन्य बलों को प्रशिक्षण दे रहा है। बता दें कि चीन के साथ तनातनी के बीच अमेरिका का यह कदम काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वॉल स्ट्रीट जर्नल के अनुसार अमेरिकी सैन्य बलों की लगभग दो दर्जन टुकड़ी अब ताइवान के सैन्य बलों को प्रशिक्षण दे रहे हैं। जानकारी के लिए बता दें कि, प्रशिक्षकों को पहले पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने ताइवान भेजा था लेकिन इस गोपनियता की सूचना जारी नहीं की गई थी।

कब आई सामने यह रिपोर्ट

यह गोपनीय रिपोर्ट सामने तब आई जब ताइवान के राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन ने चीन को बड़ी चेतावनी जारी की थी।राष्ट्रपति वेन के फॉरेन अफेयर्स पत्रिका में छपी एक खबर में चीन को साफ चेतावनी दी गई थी

कि, अगर चीन ने हमला करने की कोशिश की तो उसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

ताइवन ने चेतावनी देते हुए आगे कहा कि, अगर चीन अपने लड़ाकू विमानों की घुसपैठ से आइलैंड पर कब्जा करने पर कामयाब हुआ तो इससे क्षेत्रीय शांति के लिए विनाशकारी परिणाम हा सकता है। ताइवान ने साथ ही यह भी कहा कि, यह देश युद्ध जैसी स्थिति और ना ही सैन्य टकराव चाहता है लेकिन अपने देश को बचाने के लिए जो भी करना पड़ जाए, करेंगे और कोई भी बड़ी कारवाई करने से पहले रूकेंगे नहीं। ताइवान के राष्ट्रपति का बयान ऐसे समय पर आया है जब चीन ताइवान पर भारी दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। उल्लेखनीय है कि चीन बहुत पहले से ही ताइवान को अपना हिस्सा बता रहा है। वहीं ताइवान अपने आपको स्वतंत्र लोकतांत्रिक देश मानता है। साल 1979 के बाद से अमेरिका ने चीन के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किया था।

क्यों चीन से रिश्ते बेहतर करना चाहता है अमेरिका, मेल-मिलाप की कोशिशों से होगा संबंधों में सुधार?

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की इस साल के अंत में मुलाकात होनी है। लेकिन ये मुलाकात आमने सामने बैठकर नहीं होगी। शी और बाइडेन की मीटिंग वर्चुअल होगी। दोनों नेताओं के बीच यह बैठक ऐसे समय में होने जा रही है जब व्यापार, मानवाधिकार, दक्षिणी चीन सागर और ताइवान को लेकर दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध बेहद तनावपूर्ण हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी सदस्य की हुई मुलाकात

अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के पोलित ब्यूरो सदस्य और विदेश मामलों संबंधी आयोग के कार्यालय के निदेशक यांग जिएची के बीच ज्यूरिख में करीब छह घंटे तक चली बैठक के बाद व्हाइट हाउस ने यह घोषणा की। पिछले साल अलास्का के बाद पहली बार अमेरिका और चीन के राजनयिकों के बीच ऐसी बातचीत हुई है। इस बातचीत को एयरपोर्ट के पास बने एक होटल में अंजाम दिया गया।

फोन कॉल वाली वार्ता के बाद बनी बात

अमेरिका का कहना है कि ये बैठक 9 सितंबर को

बाइडेन और जिनपिंग के फोन कॉल में हुई बातचीत का नतीजा है। जिसमें दोनों देशों ने ये फैसला किया कि एक बार एक-दूसरे को समझने का मौका दिया जाए। कोशिश ये कि जा रही है कि दोनों देश एक दूसरे के व्यवहार और कदम को गलत तरीके से न समझे ताकि युद्ध जैसी नौबत न बन जाए। बता दें कि सितंबर के महीने में ही बाइडेन ने सात महीने के बाद पहली बार चीनी समकक्ष के साथ बात की है। दोनों के बीच की ये वार्ता 90 मिनट तक चली है। इसमें अमेरिका और चीन के रिश्ते को किस तरह आगे बढ़ाया जाए इसको लेकर चर्चा हुई। चीनी मीडिया की ओर से कहा गया कि शी और बाइडेन की बातचीत खुले दिन से हुई है। जिनपिंग ने कहा कि अमेरिका की उनके प्रति नीति से चीन के साथ रिश्तों में बड़ी बाधा आ रही है। चीनी पक्ष ने कहा कि दोनों नेताओं ने भविष्य में अक्सर संपर्क बनाए रखने पर सहमति जताई।

अमेरिकी सैनिकों पर हमला करने वाले तालिबानी कमांडर पर आरोप तय

न्यूयॉर्क (अमेरिका)।(एजेंसी)।

अमेरिकी पत्रकार का अपहरण कर उसे कई महीनों तक पाकिस्तान में बंधक बनाकर रखने वाले तालिबान के पूर्व कमांडर हाजी नजीबुल्ला के खिलाफ 2008 में अमेरिकी सैनिकों की हत्या के मामले में आरोप तय किए गए हैं। अमेरिका के न्याय विभाग ने बताया कि हाजी नजीबुल्ला (45) उर्फ नजीबुल्ला नेम पर पहले 2008 में एक अमेरिकी पत्रकार और दो अफगान नागरिकों के अपहरण के मामले में आरोप तय किए गए थे। अफगानिस्तान के नागरिक नजीबुल्ला को पिछले साल गिरफ्तार किया गया था और यूक्रेन से अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया था। उसे उम्रकैद भी हो सकती है। न्यूयॉर्क में एक संघीय ज्यूरी ने बृहस्पतिवार को नजीबुल्ला के खिलाफ 2007 से 2009 तक संघीय आतंकवाद से संबंधित अपराधों और अफगानिस्तान में तालिबान कमांडर के रूप में उसकी भूमिका के संबंध में आरोप तय किए।

नजीबुल्ला पर 26 जून, 2008 को अमेरिकी सेना के एक काफिले पर हमला करने का आरोप है, जिसमें सार्जेंट फर्स्ट क्लास मैथ्यू एल हिल्टन, जोसेफ ए मैकके, सार्जेंट मार्क पामेटियर, एक अफगान दुभाषिये की मौत हो गई थी। इसके साथ ही उस पर, 27 अक्टूबर 2008 को अमेरिकी सैन्य हेलीकॉप्टर को गिराने का आरोप है। न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले की अमेरिकी अटॉर्नी ऑड्रे स्ट्रॉस ने कहा कि अफगानिस्तान में संघर्ष के सबसे खतरनाक दौर में से एक के दौरान, नजीबुल्ला ने तालिबान विद्रोहियों के एक खतरनाक गिरोह का नेतृत्व किया, जिसने अफगानिस्तान के एक हिस्से को आतंकित किया और अमेरिकी सैनिकों पर हमला किया।

स्ट्रॉस ने कहा, '' इन घातक हमलों में से एक में तीन बहादुर अमेरिकी सैनिकों और उनके अफगान दुभाषिये की मौत हो गई थी और एक अन्य हमले में एक अमेरिकी हेलीकॉप्टर को गिरा दिया गया था।'' उन्होंने कहा कि नजीबुल्ला ने 2008 में एक अमेरिकी पत्रकार और दो अन्य लोगों का अपहरण करने की भी साजिश रची और उन्हें सात महीने से अधिक समय तक बंधक बनाकर रखा। हालांकि उन्होंने अमेरिकी पत्रकार के नाम का जिक्र नहीं किया। गौरतलब है कि 'न्यूयॉर्क टाइम्स' के पत्रकार एवं दो बार के पुलित्जर पुरस्कार विजेता डेविड रोहडे और ''दो अन्य को अफगानिस्तान में बंधक बना लिया गया था और सात महीने से अधिक समय तक इस तरह रखा गया था।'' 'न्यूयॉर्क टाइम्स' ने पिछले साल एक खबर में कहा था कि रोहडे '' जून 2009 में पाकिस्ताान के कबायली इलाके उत्तरी वज़ीरिस्तान से तालिबान के ठिकाने से भाग निकले थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

त्योहारी मौसम के बीच मुंबई हवाई अड्डे पर यात्रियों की भारी भीड़

मुंबई। त्योहारी मौसम के बीच मुंबई हवाई अड्डे पर लोगों की भारी भीड़ और अफरा-तफरी की स्थिति देखी गई और एयरलाइन ने यात्रियों को सुरक्षा जांच हेतु पर्याप्त समय के साथ हवाई अड्डा पहुंचने की सलाह दी है। कई लोगों ने हवाई अड्डे पर स्थिति का जिक्र करते हुए सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो साझा किये। इस हवाई अड्डे का संचालन अडानी समूह करता है। एक बयान में हवाईअड्डा संचालक ने कहा कि त्योहारी मौसम की शुरुआत से यात्रियों की संख्या में वृद्धि हुई है और आज सुबह अचानक छत्रपति शिवाजी महाराज अतंरराष्ट्रीय हवाईअड्डे (सीएसएमआईए) पर बड़ी संख्या में यात्री पहुंचे। देश के अन्य शहरों के हवाईअड्डों पर भी इसी तरह की स्थिति है। संचालक ने यात्रियों को हुई परेशानी के लिए खेद व्यक्त किया और कहा कि यात्रियों को हर जरूरी सहायता मुहैया कराई जा रही है। एक ट्वीट में बॉलीवुड संगीतकार विशाल ददलानी ने कहा, ''ऐसा महसूस हो रहा है कि हम अंधकार युग में पहुंच गए हैं।''

टाटा सन्स को मिली एयर इंडिया की कमान, लगाई थी सबसे बड़ी बोली, केंद्र सरकार ने दी जानकारी

नयी दिल्ली। टाटा संस ने कर्ज में डूबी सरकारी विमानन कंपनी एयर इंडिया के अधिग्रहण के लिए सबसे बड़ी बोली लगाई थी। जिसके बाद केंद्र सरकार ने टाटा संस को एयर इंडिया की कमान सौंप दी है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक 68 साल के बाद एयर इंडिया वापस टाटा संस के पास लौट आई है। समाचार एजेंसी के मुताबिक निवेश और सार्वजनिक संपत्ति विभाग (दीपम) के सचिव तुहिन कांत पांडेय ने कहा कि एयर इंडिया के विनिवेश के संदर्भ में विनिवेश प्रक्रिया की अंतिम कड़ी में कैबिनेट कमेटी ऑफ इकोनॉमिक्स द्वारा अधिकृत एयर इंडिया स्पेसिफिक अलटरनेट मकैनिजम ने विनिंग बिड पर स्वीकृति प्रदान की है।

श्रीनगर में आतंकवादियों के हाथों मारी गईं प्रधानाचार्य का अंतिम संस्कार हुआ

श्रीनगर। श्रीनगर के ईदगाह इलाके में एक सरकारी स्कूल में बृहस्पतिवार को आतंकियों के हाथों मारी गईं प्रधानाचार्य सुपिंदर कौर का शुक्रवार को यहां सिख समुदाय के सदस्यों के विरोध प्रदर्शन के बीच अंतिम संस्कार कर दिया गया। श्रीनगर के करण नगर इलाके में एक श्मशान घाट पर परिवार और रिश्तेदारों की मौजूदगी में सुपिंदर कौर का अंतिम संस्कार किया गया। अलूची बाग इलाके में कौर के आवास पर समुदाय के सैकड़ों सदस्य एकत्रित हुए और उन्होंने एक स्ट्रेचर पर उनके शव को रख कर, वहां से एक प्रदर्शन मार्च निकाला। उन्होंने अलूची बाग से जहांगीर चौक तक पैदल प्रदर्शन किया और सुपिंदर कौर तथा उनके सहकर्मी दीपक चंद के लिए न्याय की मांग करते हुए नारे लगाए। आतंकवादियों ने कल स्कूल में कौर और चंद की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

महंगाई-बेरोजगारी के मुद्दे पर बगलें झांक रही सरकार-कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा-हार सामने देख अब धमकियां देने लगे हैं मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर

धर्मशाला। भाजपा सरकार उपचुनावों में बैकफुट पर है। बेरोजगारी-महंगाई के विषय पर जनता के बीच जबाब नहीं दे पा रही है और तर्कहीन बयानबाज़ी करके बर्गलाने की कोशिश कर रही है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता दीपक शर्मा ने आज कहा कि महंगाई और बेरोजगारी के सवाल पर मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर कह रहे हैं कि यह कांग्रेस कार्यकाल में भी थी लेकिन भाजपा ने अपने कार्यकाल में किस तरह इसे चरम सीमा तक पहुंचाया यह बताने में सरकार नाकाम है।जिस स्थिति में बर्तमान में महंगाई पहुंच चुकी है ऐसा पिछले70 सालों में नहीं हुआ।
कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री का महंगाई को नकारना सरकार की असंवेदनशीलता को दर्शाता है।आमजन के जीना दूभर हो गया है।इसे रोकने और नियंत्रण करने बारे सरकार ने न ही कोई कदम उठाए और न ही कोई योजना जगजाहिर की। दीपक शर्मा ने कहा कि उपचुनावों में जिस तरह से भाजपा से जनता उदासीन है और कांग्रेस ने प्रारम्भिक बढ़त बनाई है उसको देखते हुए मुख्यमंत्री बौखलाहट में अब धमकियां देने लगे हैं।उनका कहना है कि कांग्रेस नेता ज़्यादा न बोलें वरना उनके पास सबके काले चिट्ठे हैं जिन्हें वह खोल देंगे। दीपक शर्मा ने मुख्यमंत्री को

चुनौती देते हुए कहा कि इस तरह की गीदड़ भभकियों से कांग्रेस डरने वाली नहीं है।मुख्यमंत्री में हिम्मत है तो किसी भी तरह के काले चिट्ठे बाहर लाएं।यूं जनता को गुमराह न करें।दीपक शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री को उपचुनावों में हार सामने नज़र आ रही है जिसके चलते अब बौखलाहट होने लगी है।उन्होंने कहा कि भाजपा जनता के सवालों से बच रही है।महंगाई,बेरोजगारी, किसानों-बागवानों पर किए जा रहे अत्याचार, छोटे व्यापारी की बदहाली,मध्यमवर्ग की बेबसी आदि अहम विषयों पर भाजपा लाजबाब हो चुकी है।जनता में यह मुद्दे अहम हैं।वोटर इस विषयों पर सरकार से नाराज़ है और सरकार का दृष्टिकोण जानना चाहता है लेकिन सरकार इन मुद्दों से भाग रही है।कांग्रेस प्रवक्ता ने भाजपा को चुनौती दी कि इन सभी ज्वलन्त मुद्दों पर मुख्यमंत्री सार्वजनिक बहस करें ताकि जनता सरकार की नाकामियों को भली भांति जान सके। दीपक शर्मा ने कहा कि उपचुनावों में भाजपा पहले दौर में ही पिछड़ चुकी है।बगावत चरम पर है।जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मनोबल ऊंचा है वहीं भाजपा सरकार समेत सभी नेता जनता का सामना करने से कतरा रहे हैं कांग्रेस नेता ने कहा कि कांग्रेस चारों उपचुनाव जीत कर 2022 के विधानसभा चुनावों की जीत का रास्ता साफ करेगी।

'जैसे को तैसा' वाला बयान खट्टर ने लिया वापस, कहा- मैं नहीं चाहता कि हरियाणा में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पिछले दिनों हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने किसान आंदोलन के संदर्भ में ÷जैसे को तैसा÷ वाला बयान दिया था। इसके बाद विपक्ष उनपर जमकर हमलावर था। इतना ही नहीं, किसान संगठनों ने हरियाणा के मुख्यमंत्री के इस बयान पर जबरदस्त तरीके से विरोध जताया था। इन सब के बीच आज हरियाणा के मुख्यमंत्री ने अपना बयान वापस ले लिया है। खट्टर ने कहा कि मैंने पिछले दिनों एक बयान दिया और वो बयान वास्तव में आत्मरक्षा के लिए दिया गया था। प्रचारित किया जा रहा है कि मुख्यमंत्री ने लठ उठाने की बात कही है, ये बात किसी के प्रति दुर्भावना की वजह से नहीं कही गई है।

इसके बाद उन्होंने कहा कि जिन किसान भाईयों को इसका कष्ट पहुंचा है मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि मैं उस बयान को वापस लेता हूं क्योंकि मैं नहीं चाहता कि हरियाणा में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़े या शांति भंग हो। आपको बता दें कि लाल खट्टर ने रविवार को यहां भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा की एक बैठक के दौरान 'जैसे को तैसा' करने के बारे में कहा, जब उन्होंने वहां मौजूद लोगों से 500 से 1000 लोगों का समूह बनाने और जेल जाने के लिये भी तैयार रहने को कहा।

किसानों के जारी आंदोलन से पड़ने वाले प्रभाव के संदर्भ में खट्टर ने कहा कि दक्षिण हरियाणा में ज्यादा समस्या नहीं है और यह राज्य के उत्तरी और पश्चिमी जिलों तक सीमित है। उन्होंने कहा था कि 500,700,1000 लोगों का समूह बनाओ, उन्हें स्वयंसेवक बनाओ। और उसके बाद हर जगह 'शठे शाठ्यं समाचरेत'। इसका क्या अर्थ है।इसका मतलब है जैसे को तैसा। खट्टर ने कहा था कि चिंता मत करोज्जब आप वहां (जेल में) एक महीने, तीन महीना या छह महीना रहोगे तो बड़े नेता बन जाओगे। इतिहास में नाम दर्ज होगा।

भाजपा में शामिल हुए निर्दलीय विधायक राम सिंह कैड़ा, बोले- विकास की सोच के साथ पार्टी में आया हूं

नयी दिल्ली। उत्तराखंड के भीमताल से निर्दलीय विधायक राम सिंह कैड़ा शुक्रवार को भाजपा में शामिल हो गए। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता स्मृति ईरानी और उत्तराखंड भाजपा प्रभारी दुष्यंत गौतम भी मौजूद रहे। भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद राम सिंह कैड़ा ने कहा कि पार्टी की सोच विकास की रही है, भाजपा की सरकार में मोदी जी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत कई गांवों में रोड गई हैं। मैं विकास की सोच के साथ हूं इसलिए मैं भाजपा में शामिल हुआ हूं।

उत्तराखंड के तीसरे विधायक हैं राम सिंह कैड़ा

आपको बता दें कि अगले साल उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में वहां के विधायक लगातार भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। पिछले एक महीने में भाजपा में शामिल होने वाले राम सिंह कैड़ा उत्तराखंड के तीसरे विधायक हैं।

क्या बोलीं स्मृति ईरानी ?

इसी बीच स्मृति ईरानी ने कहा कि राष्ट्र हमारा साक्षी है कि कल दो दशक राष्ट्र की समर्पित सेवा में प्रधानमंत्री के पूर्ण हुए हैं। संवैधानिक पद पर रहकर संगठन को समाज से और जोड़कर भारत के नवनिर्माण में अभूतपूर्ण निर्माण नरेंद्र भाई का हम सब देख रहे हैं। उसी से प्रेरित होकर उत्तराखंड की पुण्य भूमि से वो व्यक्ति जिन्होंने छात्र आंदोलन से लेकर राज्य निर्माण के आंदोलन तक अपना सर्वस्य योगदान दिया। जो भीमताल का गौरव बढ़ा रहे हैं आज वो हमारे परिवार से जुड़ रहे हैं।

लखीमपुर हिंसा: यूपी सरकार के रवैये से खुश नहीं सुप्रीम कोर्ट, कहा- जांच के लिए दूसरे विकल्पों पर विचार जरूरी

कोलकाता (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में हुई हिंसा को लेकर आज सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह यूपी सरकार के रवैये से संतुष्ट नहीं है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने माना कि जांच के लिए अब दूसरे विकल्पों पर विचार जरूरी है। मामले की अगली सुनवाई 20 अक्टूबर को होगी। इसके साथ सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सबूतों से छेड़छाड़ ना हो, इस बात का ध्यान रखना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया कि 302 के मामले में पुलिस क्या करती है?

सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि यह आठ लोगों की नृशंस हत्या है और कानून को सभी आरोपियों के खिलाफ अपना काम करना चाहिए। कोर्ट आगे कहा कि उसे उम्मीद है कि यूपी सरकार मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए जरूरी कदम उठाएगी। मुख्य न्यायधीश ने उत्तर प्रदेश सरकार को अपने डीजीपी से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि जब तक कोई अन्य एजेंसी इसे संभालती है तब तक मामले के सबूत सुरक्षित रहें। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को एक वैकल्पिक एजेंसी के बारे में अदालत को अवगत कराने के लिए कहा है जो मामले की जांच कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को एक वैकल्पिक एजेंसी के बारे में अदालत को अवगत कराने के लिए कहा है जो जांच कर सकती है।

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से यह बताने के लिए कहा था कि तीन अक्टूबर की लखीमपुर खीरी हिंसा के सिलसिले में किन आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है और उन्हें गिरफ्तार किया गया है या नहीं। प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से पेश हुए वकील को इस बारे में स्थिति रिपोर्ट में जानकारी देने का निर्देश दिया था। वकील ने पीठ से कहा कि घटना की जांच के लिए एक न्यायिक आयोग का गठन किया गया है और राज्य मामले में एक स्थिति रिपोर्ट दाखिल करेगा।

लखीमपुर खीरी मामले में बोले योगी आदित्यनाथ, किसी के दबाव में आकर नहीं होगी गिरफ्तारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी मामले को लेकर सियासत गर्मायी हुई है। क्राइम ब्रांच की टीम ने आज 10 बजे मुख्य आरोपी और केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी के बेटे आशीष मिश्र उर्फ मोनू को पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन वह पेश नहीं हुआ। ऐसे में क्राइम ब्रांच ने आशीष को शनिवार को 11 बजे पेश होने के लिए कहा है।

क्या बोले योगी आदित्यनाथ ?

इसी बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि कानून हाथ में लेने की छूट किसी को नही होगी लेकिन किसी के दबाव में कोई कार्रवाई नही होगी। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि यह लोग कोई सद्भावना के दूत नहीं हैं बल्कि नकारात्मकता फैलाना ही इनका काम है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री ने लखीमपुर खीरी की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हिंसा का कोई भी स्थान नहीं है। कानून को हाथ में लेने का किसी को भी अधिकार नहीं है। सभी लोगों के लिए कानून एक समान है। हालांकि उन्होंने उच्चतम न्यायालय के कानूनों का हवाला देते हुए कहा कि किसी की भी गिरफ्तारी से पहले आपके पास पर्याप्त सबूत होने चाहिए।

मानसिक स्वास्थ्य के बारे में समाज में और अधिक जागरूकता फैलानी चाहिए : मांडविया

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कहा कि मानसिक स्वास्थ्य समग्र स्वास्थ्य का एक अनिवार्य घटक है और समाज में इसके बारे में और अधिक जागरूकता फैलानी चाहिए। मांडविया ने यहां एक कार्यक्रम में 'ग्रीन रिबन' पहल की शुरुआत करते हुए लोगों को भारत में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे को सक्रिय रूप से उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह कार्यक्रम पांच से 10 अक्टूबर तक आयोजित 'मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सप्ताह' के दौरान मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए दिल्ली के हंसराज कॉलेज, के साथ साझेदारी में मंत्रालय द्वारा आयोजित किया गया। दस अक्टूबर को दुनिया भर में 'विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इस मौके पर मांडविया ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों के बीच हरे रंग के रिबन बांटे और कहा, ''यह हरे रंग का रिबन मानसिक स्वास्थ्य का प्रतीक है। हमें अपने समाज में मानसिक स्वास्थ्य के बारे में ज्यादा से ज्यादा जागरूकता फैलाने की जरूरत है।'' उन्होंने हंसराज कॉलेज के छात्रों से अपने साथियों और समुदाय में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के बारे में जागरूकता फैलाने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्रगति के लिए सभी प्रकार का स्वास्थ्य और सेहत आवश्यक है। उन्होंने कहा, ''स्वस्थ व्यक्तियों के बिना एक स्वस्थ परिवार, एक स्वस्थ समाज और एक स्वस्थ राष्ट्र नहीं होगा। खराब स्वास्थ्य, चाहे शारीरिक हो या मानसिक, खराब उत्पादकता की ओर ले जाता है जिससे राष्ट्रों की वृद्धि और उत्पादकता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।'' उन्होंने कहा, ''दस में से, तीन छात्र मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों से पीड़ित हैं, हमारे 14 प्रतिशत बच्चे मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं से पीड़ित हैं।''

क्रूज पर छापेमारी में पकड़े गये दो भाजपा नेताओं को एनसीबी ने छोड़ा, एनसीपी का दावा

मुंबई। (एजेंसी)।

स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) पर हमला तेज करते हुए राकांपा ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि हाल ही में मुंबई तट पर एक क्रूज जहाज पर छापेमारी के बाद ब्यूरो ने दो लोगों को छोड़ दिया, जिनमें से एक व्यक्ति भारतीय जनता पार्टी नेता का रिश्तेदार था। ब्यूरो के क्षेत्रीय निदेशक समीर वानखेड़े पर निशाना साधते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रवक्ता और महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक ने ब्यूरो अधिकारियों के आचरण पर भी सवाल उठाए।

मलिक ने आरोप लगाया, ''छापेमारी के बाद एनसीबी अधिकारी समीर वानखेड़े ने बताया कि 8-10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। समूचे अभियान का नेतृत्व करने वाला अधिकारी अनिश्चित जवाब कैसे दे सकता है? अगर 10 लोगों को पकड़ा गया तो दो लोगों को क्यों छोड़ा गया...और दोनों में से एक भाजपा के एक बड़े नेता का रिश्तेदार था।'' शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा द्वारा एनसीबी के खिलाफ आरोप लगाए जाने के एक दिन पहले आयकर विभाग ने पार्टी नेता और राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार से जुड़े वाणिज्यिक परिसरों पर छापेमारी की थी।

मलिक ने कहा कि वह भाजपा नेता के नाम का खुलासा करने के लिए शनिवार को संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करेंगे, जिसके रिश्तेदार को एनसीबी ने छोड़ दिया था। राकांपा नेता ने कहा कि पवार से जुड़ी संस्थाओं पर आयकर विभाग की छापेमारी का मकसद उन्हें बदनाम करना था। बुधवार को, मलिक ने क्रूज जहाज पर एनसीबी के दो अक्टूबर के छापे को ''फर्जी'' करार दिया था और आरोप लगाया था कि इस दौरान कोई मादक पदार्थ नहीं मिला था। एनसीबी ने शनिवार को गोवा जाने वाले जहाज से मादक पदार्थ जब्त करने के बाद सिने अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान सहित 18 लोगों को गिरफ्तार किया है। उल्लेखनीय है कि मलिक के दामाद समीर खान को एनसीबी ने 13 जनवरी को कथित ड्रग मामले में गिरफ्तार किया था। सितंबर में उन्हें जमानत मिली थी।

जम्मू-कश्मीर के नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्र कदम उठाए : चन्नी

चंडीगढ़। (एजेंसी)।

पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने जम्मू कश्मीर में हाल में आतंकवादियों द्वारा आम नागरिकों की हत्या किए जाने की शुक्रवार को कड़ी निंदा की और केंद्र शासित प्रदेश के निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार से तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया। उल्लेखनीय है कि गत कुछ दिनों में जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों द्वारा कई नागरिकों की हत्या की गई है जिनमें नवीनतम घटना बृहस्पतिवार को श्रीनगर के सरकारी स्कूल में प्रधानाचार्य सुपिंदर कौर और शिक्षक दीपक चंद की हत्या की है।

इसी प्रकार मंगलवार को एक प्रमुख कश्मीरी पंडित माखन लाल बिंद्रू,बिहार निवासी एक विक्रेता वीरेंद्र पासवान की श्रीनगर में और आम नागरिक मोहम्मद शफी लोन की बांदीपोरा में आतंकवादियों ने हत्या कर दी थी। चन्नी ने प्रधानाचार्य और शिक्षक की हत्या पर गहरा शोक व्यक्त किया। यहां जारी बयान के मुताबिक, उन्होंने केंद्र से वहां (जम्मू-कश्मीर में) आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया, जो विभिन्न आतंकवादियों की धमकी की वजह से अनिश्चितता के माहौल में रह रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तत्काल जम्मू-कश्मीर के अल्पसंख्यकों के बीच सुरक्षा का भाव उत्पन्न करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मानवता के खिलाफ इन जघन्य अपराधों के दोषियों और शांति, सद्भावना और भाईचारे को नष्ट करने वालों को कानून के मुताबिक सख्त सजा दी जानी चाहिए।

जयराम ठाकुर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं पर मोहर लगाओ भाजपा को जीतो : अनुराग ठाकुर आप सब रतन पाल, हमारी जीत सुनिश्चित

अर्की। (एजेंसी)।

भाजपा उम्मीदवार अर्की विधानसभा क्षेत्र से नामांकन पत्र भरा। भाजपा की नामांकन रैली में भाजपा उम्मीदवार रतन पाल सिंह के साथ केंद्रीय खेल एवं सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर, ज़िला प्रभारी डॉ राजीव बिंदल, उपाध्यक्ष पुरषोतम गुलेरिया, मंत्री राजीव सैजल, वीरेन्द्र कंवर, महामंत्री त्रिलोक जम्वाल, राष्मिधर सूद, आशुतोष वैद्या, विनय गुप्ता एवं विधायक परमजीत पुम्मी, के एल ठाकुर, अमर सिंह ठाकुर, डेज़ी ठाकुर, मंडल अध्यक्ष डी के उपाध्याय उपस्थित रहे।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि आप सब यहां आए आप सब रतन पाल हो , आप हज़ारों की संख्या में आए इससे हमारी ताकत स्पष्ट दिखती है। उन्होंने कहा की भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है और कांग्रेस परिवार की पार्टी । पड़ोसी राज्य में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष की भाषा अपनी ही पार्टी के लिए ठीक नहीं है, कांग्रेस की कार्यशैली ठीक नही है।

उन्होंने कहा को पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल सरकार ने हम सभी प्रदेश वासियों को एम्बुलेंस दि और केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने पशुओं को भी एम्बुलेंस दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश मे बिचोलिये को खत्म किए और आज सीधा जनता का पैसा खाता को आ रहा है।

उन्होंने कहा कि कोरोना के समय कांग्रेस ने केंद्र सरकार का मज़ाक उड़ाया , पर हमारे देश के विज्ञानिको ने 2 टीके बने यह ऐतिहासिक है। भारत मे सबसे तेज़ टीकाकरण अभियान चल रहा है, आपदा के समय कोई भूखा ना रहे इस दृष्टि से 80 करोड़ लोगों को 15 महीने तक राशन केंद्र सरकार द्वारा दिया है। अगले साल तक सभी गरीबों के पास पक्का मकान होगा, आयुष्मान भारत के अंतर्गत 50 करोड़ लोगों लोगों का मुफ्त इलाज हुआ है और हिम केअर के अंतर्गत हिमाचल की जनता को भी बड़ा लाभ हुआ है हमारे मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर पीछे नहीं है। राष्ट्रीय अध्यक्ष भाजपा जगत प्रकाश नड्डा एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो व्यक्ति अर्की के लिए चुना है उसको हमें जीता कर विधानसभा में भेजना है।

उन्होंने कहा कि जयराम ठाकुर की योजनाओं पर मोहर लगाओ और भाजपा को जीतो। आज गुजरात मे 33 साल तक भाजपा की सरकार है यह जनता का विश्वास भाजपा में दिखता है। उन्होंने कहा की कांग्रेस का उत्तर प्रदेश में भी सफाया होने जा रहा है और कई प्रदेशों में तो कांग्रेस शून्य की ओर बढ़ रही है।हिमाचल में भी इन उपचुनावों में भाजपा भारी मतों से सभी सीटों पर जीत दर्ज करेगी। भजापा उम्मीदवार रतन पाल सिंह ने माँ काली के चरणों मे प्रणाम करते हुए कहा की मैं अपने सभी कार्यकर्ताओं को नाम से जानता हूं और इस क्षेत्र की सभी समस्याओं स3 परिचित हूं , आपका अपना हूं ।

उन्होंने कहा की केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर प्रातः 5 बजे चल के पहुंचे यह हम सबका सौभाग्य। रतन पाल रैली को संबोधित करते हुए भावुक हुए कहा यह वो कार्यकर्ता है जिन के दम पर मैं केवल मात्र 6000 मतों से वीरभद्र से हारा। उन्होंने कहा की पार्टी हमारी माँ है और माँ के एहसान हम कभी भुला नही सकते। कार्यकर्ता नेताओं की रीढ़ की हड्डी और हमें अपने कार्यकर्ताओं पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि मैंने 365 दिन इस क्षेत्र में प्रवास किया है और हर पंचायत से परिचित हूं। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री अपनी सारी घोषणाओं को पूरा करेंगे जयराम ठाकुर के नेतृत्व में करोड़ों के विकास कार्य हुई मंत्री राजीव सैजल ने जयराम सरकार की उपलब्धियों को जन सभा में रखते हुए कहा कि जयराम ठाकुर सरकार ने अर्की विधानसभा क्षेत्र के लिए अभूतपूर्व विकास किया है। प्रभारी राजीव बिंदल ने कहा कि इन चुनावों में भाजपा को विजयश्री प्राप्त करना हमारा और आपका दायित्व है और इन चुनावों में 40 साल पुराने कार्यकर्ता भी जी जान से कार्य कर रहे है। अर्की में भाजपा का कमाल खिलना तय है।

मंत्री वीरेंद्र कंवर ने कहा कि विकास के नाम पर भाजपा चुनावों में उतरेगी और चुनाव में जीत दर्ज करेगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

एक्शन प्लान

लखनऊ। दशहरा, दिवाली और छठ के मद्देनजर योगी सरकार ने स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट जारी किया है। अधिक से अधिक यात्रियों की कोरोना जांच के निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने कोरोना जांच की संख्या दोगुनी करने का फैसला किया है। कोरोना की दूसरी लहर लगभग धीमी हो चुकी है। मौजूदा समय में करीब 34 सक्रिय मरीज हैं। सीएमओ डॉ. मनोज अग्रवाल ने बताया कि कोरोना संक्रमण का खतरा टला नहीं हैं। लिहाजा एहतियात बरतें। मास्क जरूर लगाएं। वहीं कोरोना प्रभावित राज्य या देश से आने वालों की जांच जरूर कराने के निर्देश दिए हैं। सर्दी-जुकाम और बुखार के लक्षणों को नजरअंदाज न करें। भीड़-भाड़ में जाने से बचें। सीएमओ डॉ. मनोज अग्रवाल ने बताया कि अभी रोजाना 12 हजार लोगों की कोरोना जांच हो रही है। इस संख्या को दोगुना करने की तैयारी है। 20 हजार से अधिक लोगों की रोज जांच होगी। इसमें 60 प्रतिशत लोगों की एंटीजेन जांच कराई जाएगी। 40 प्रतिशत की आरटी-पीसीआर जांच कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि त्योहारी सीजन आ गया है। बड़ी संख्या में लोग एक से दूसरी जगह सफर करेंगे। बाजारों में भीड़ बढ़ेगी। ऐसे में संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। विदेश से आने वाले यात्रियों में संक्रमण की पुष्टि के बाद जिनोम सिक्वेंसिंग कराई जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि बीते दिनों विदेश या फिर केरल से आने वाले संक्रमितों की जिनोम सिक्वेंसिंग कराई गई थी। 11 संक्रमितों में डेल्टा वेरिएंट की पुष्टि हुई थी। ये सभी मरीज होम आइसोलेशन में थे।

कहा: मुझे मुख्यमंत्री बनाते तो देखते सक्सेस; सीएम चन्नी को अपशब्द कहते हुए बोले- 2022 में कांग्रेस को डुबो देगा

नई दिल्ली। पंजाब में सीएम की कुर्सी के लिए नवजोत सिद्धू की छटपटाहट फिर सामने आई है। सिद्धू ने अनुसूचित जाति से आने वाले पंजाब के पहले सीएम चरणजीत सिंह चन्नी के लिए अपशब्द तक कह दिए। पंजाब कांग्रेस ने गुरुवार को जीरकपुर से मार्च शुरू किया था। इस दौरान सिद्धू ने कहा कि सरदार भगवंत सिंह (नवजोत सिद्धू के पिता) के बेटे को उट बनाते तो फिर देखते कि सक्सेस क्या होती है। सिद्धू ने चन्नी के लिए कहा कि वे 2022 में कांग्रेस को डुबो देंगे। सिद्धू की अगुवाई में गुरुवार को मोहाली एयरपोर्ट चौक से पंजाब कांग्रेस का लखीमपुर खीरी रोष मार्च निकाला गया था। सिद्धू इस मार्च में समय से पहुंच गए, लेकिन काफिले और जाम की वजह से सीएम चन्नी को आने में थोड़ी देर हो गई। इस पर सिद्धू भड़क गए और चन्नी को लेकर अपनी भड़ास निकाली। कार्यक्रम के वीडियो में सामने आया कि सिद्धू मार्च को आगे बढ़ाना चाहते हैं। तभी मंत्री परगट सिंह कहते हैं कि 2 मिनट में सीएम चन्नी पहुंचने वाले हैं। इस पर सिद्धू खफा होकर बोले कि इतनी देर से हम उनका इंतजार कर रहे हैं। इसके बाद सिद्धू थोड़ा आगे निकल भी गए, लेकिन तब तक सीएम चन्नी पहुंच गए। हालांकि घर में बेटे के शादी का कार्यक्रम होने की वजह से वे थोड़ी देर बाद वापस लौट गए। इधर,

परगट सिंह ने एक बार और भीड़ दिखाते हुए कहा कि आज तो बल्ले-बल्ले हो गई। सिद्धू के पास खड़े वर्किंग प्रधान सुखविंदर डैनी ने भी कहा- यह कार्यक्रम तो सक्सेसफुल है। इन दोनों की बातचीत के बाद सिद्धू तैश में आ गए और बोले- अभी कहां सक्सेस, मुझे उट बनाते तो फिर दिखाता सक्सेस। इसके बाद सिद्धू ने सीएम चन्नी को अपशब्द कहते हुए का कि यह 2022 में ये कांग्रेस को ही डुबा देगा। पंजाब में कैप्टन अमरिंदर सिंह को हटाकर सिद्धू खुद सीएम बनना चाहते थे। कांग्रेस हाईकमान सुनील जाखड़ पर राजी हो गया था, लेकिन पंजाब के सिख स्टेट होने की बात कहकर विधायकों ने इसका विरोध किया। इसके बाद सुखजिंदर रंधावा को सीएम बनाने का फैसला हुआ। इस पर सिद्धू ने भी उट पद पर अपना दावा ठोक दिया। विवाद बढ़ने पर बीच का रास्ता निकालकर चरणजीत चन्नी को मुख्यमंत्री बना दिया गया। चरणजीत के उट बनने के बाद सिद्धू उनका हाथ पकड़कर, तो कभी उनके कंधे पर हाथ रखकर चलने लगे। इससे मैसेज गया कि सिद्धू पंजाब का सुपर उट बनना चाहते थे, जिसमें चेहरा चन्नी का हो, लेकिन सारा काम वे अपने हाथ में रखें। जब ये यह मुराद भी पूरी न हुई, सिद्धू ने पंजाब का अगला सीएम प्रोजेक्ट करने की मांग रखी, लेकिन कांग्रेस हाईकमान ने उससे भी इनकार कर दिया।

मथुरा में स्कूल बस 8 फीट गहरे गड्ढे में गिरी

एसरबीएस की बस 40 बच्चों को लेकर स्कूल जा रही थी

मथुरा। थाना नौहझील क्षेत्र में शुक्रवार को दोपहर में 40 स्कूली बच्चों से भरी बस ब्रेक फेल होने के कारण अनियंत्रित हो कर पलट गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने मौके पर जाकर देखा तो बस में सवार सभी स्कूली बच्चे सुरक्षित मिले। बच्चों को सुरक्षित देख सभी ने राहत की सांस ली। बच्चों को उनके घर पहुंचा दिया गया है। शुक्रवार को दोपहर में करीब 2 बजे नौहझील बाजना रोड पर एसरबीएस स्कूल की बस 40 बच्चों को लेकर जा रही थी। बस आधे रास्ते में ही पहुंची थी कि तभी उसका ब्रेक फेल हो गया। गाड़ी अनियंत्रित होकर करीब 7 से 8 फीट गहरे गड्ढे में गिर गई। हादसे के समय बस की स्पीड ज्यादा नहीं थी। बस जिस स्थान पर पलटी, वहां उससे 6 इंच की दूरी पर 33000 व 11000 हाई वोल्टेज

पॉवर की विद्युत लाइन जा रही थी। बस अगर हाई वोल्टेज पॉवर लाइन से टकरा गई होती तो बड़ा हादसा हो सकता था। परिवहन विभाग की अनदेखी के कारण जनपद के अधिकांश स्कूलों में बच्चों को लाने और ले जाने के लिए कंडम वाहन का इस्तेमाल हो रहा है। किसी वाहन पर फिटनेस सर्टिफिकेट नहीं है तो किसी का परमिट खत्म हो चुका है। कई वाहन तो ऐसे भी हैं जो बिल्कुल भी इस्तेमाल करने योग्य नहीं हैं। इसके वावजूद परिवहन विभाग है कि इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है।

ड्रग्स केस: अभी जेल में ही रहेंगे आर्यन खान

कोर्ट ने खारिज की जमानत याचिका

मुम्बई। बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की जमानत याचिका खारिज हो गई है। आर्यन के साथ ही साथ अरबाज और मुनमुन की जमानत याचिका भी खारिज हुई है। जमानत याचिका खारिज होने के बाद आर्यन खान सहित अन्य आरोपियों को ऑर्थर रोड जेल में रहना होगा। याद दिला दें कि ये पूरा मामला क्रूज शिप पर ड्रग्स पार्टी करने से जुड़ा है। एनसीबी ने कथित रूप से कोकीन, मेफेड्रोन, चरस, हाइड्रोपोनिक और एमडीएमए जैसी कई ड्रग्स और 1.33 लाख रुपए नगद जब्त किए हैं। मुंबई की एस्प्लेनेड अदालत ने मुंबई तट पर एक क्रूज पर ड्रग्स से संबंधित मामले में आर्यन खान, अरबाज और मुनमुन धमेचा की जमानत याचिका खारिज कर दी है। जमानत

याचिका खारिज होने के बाद आर्यन खान और अन्य आरोपियों को आज रात ऑर्थर रोड जेल में रहना होगा। एएसजी सिंह ने अपनी दलील रखते हुए कहा कि इस बात पर जरूर ध्यान देना चाहिए कि लोग कितनी आसानी से बातों में आ जाते हैं और क्या इससे सबूतों के साथ छेड़छाड़ हो सकती है? अनिल ने आगे कहा कि ये कोई आइसोलेटिड केस नहीं है, ऐसे में बेल की वजह से केस की जांच पर असर पड़ सकता है। बॉलीवुड के बेहतरीन अभिनेता व कॉमेडियन जॉनी लीवर ने शाहरुख खान के साथ एक थ्रोबैक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में शाहरुख- जॉनी एक साथ नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के साथ जॉनी ने कैप्शन में सिर्फ एक इमोजी शेयर किया है, जिससे पावर शो हो रही है। अनिल सिंह ने कहा कि आर्यन के वाट्सऐप चैट्स और उनका टर्मिनल पर मिलना, कोई इत्तेफाक नहीं हो सकता है। उनका कहना है कि पहले और दूसरे आरोपी की मुलाकात टर्मिनल पर हुई। वहीं उनके कम्यूनिकेशन्स से सामने आएगा कि वो ड्रग्स का पहली बार इस्तेमाल नहीं कर रहे। एक बार फिर एनसीबी की ओर से एएसजी अनिल सिंह और आर्यन की ओर से सतीश के बीच दलीलें शुरू हो गई हैं। अनिल सिंह का कहना कि कानून के मुताबिक आर्यन को बेल नहीं मिल सकती है।

मुंबई में पकड़ी गई 125 करोड़ की हेरोइन

मुम्बई। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने मुंबई से 25 किलो हेरोइन पकड़ी है। इसकी कीमत 125 करोड़ रुपये बताई गई। हेरोइन मुंबई के न्हावा शेवा पोर्ट पर एक कंटेनर से बरामद हुई थी। इस मामले में डीआरआई ने नवी मुंबई इलाके से जयेश सांघवी नाम के एक बिजनेसमैन को गिरफ्तार किया है। उसे कोर्ट ने 11 अक्टूबर तक डीआरआई की हिरासत में भेजा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हेरोइन लाने के लिए तस्करों ने अनोखी तरकीब निकाली। उन्होंने ईरान से लाए जा रहे कंटेनर में कथित तौर पर मूंगफली के तेल की खेप के बीच हेरोइन छिपा दी थी। हालांकि, राजस्व खुफिया विभाग ने छापा मारकर हेरोइन बरामद कर ली। इसी तरह जुलाई में भी ईरान से तस्करी कर के लाई जा रही दो हजार करोड़ रुपये की हेरोइन की खेप पकड़ी गई थी। 283 किलो की मात्रा में भारत भेजी गई इस

हेरोइन को भी राजस्व खुफिया विभाग ने ही पकड़ा था। इस कंसाइनमेंट को नवी मुंबई के जवाहरलाल नेहरू बंगरगाह से सड़क मार्ग के जरिए पंजाब भेजा जाना था।

इस मामले में तब डीआरआई ने पंजाब के तरण तारण के रहने वाले एक सप्लाई प्रभजीत सिंह को गिरफ्तार किया था। पिछले महीने इसी तरह मुंबई एयरपोर्ट से करीब 5 किलो हेरोइन के साथ दो महिलाएं गिरफ्तार हुई थीं। इसकी कीमत 25 करोड़ रुपये बताई गई थी। दोनों महिलाओं की पहचान मां-बेटी के तौर पर हुई थी और वे दक्षिण अफ्रीका के जोहानेसबर्ग से आई थीं।

टाटा बना एयर इंडिया का नया 'पायलट'

18 हजार करोड़ रुपए में हुई डील

नई दिल्ली। लंबे इंतजार के बाद एक बार फिर सरकारी एयरलाइन एयर इंडिया की कमान टाटा समूह के हाथों में सौप दी गई है। एयर इंडिया के लिए टाटा समूह ने करीब 18 हजार करोड़ रुपए की बोली लगाई थी। मीडिया को संबोधित करते हुए डिपार्टमेंट ऑफ इनवेस्टमेंट एंड पब्लिक एसेट मैनेजमेंट (उन्नदअट) के सचिव तुहिन कांत पांडे ने बताया कि टाटा संस की टैलेस प्राइवेट लिमिटेड ने 18,000 करोड़ रुपये की बोली लगाकर बाजी मारी है। तुहिन कांत पांडे ने कहा कि लेनदेन दिसंबर 2021 के अंत तक पूरी होने की उम्मीद है। टाटा को क्या-क्या मिलेगा: सरकार की शर्तों के मुताबिक सफल बोली लगाने वाली कंपनी यानी टाटा को एयर इंडिया के अलावा सब्सिडरी एयर इंडिया एक्सप्रेस का भी शत प्रतिशत नियंत्रण मिलेगा। वहीं, एआईएसएटीएस में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी पर कब्जा होगा। आपको यहां बता दें कि एआईएसएटीएस प्रमुख भारतीय हवाईअड्डों पर कार्गो और जमीनी स्तर की सेवाओं को उपलब्ध कराती है। विनिवेश नियमों के मुताबिक टाटा को एयर इंडिया के घरेलू हवाई अड्डों पर 4,400 घरेलू और 1,800

अंतरराष्ट्रीय उड़ान के लैंडिंग की मंजूरी मिलेगी। वहीं, पार्किंग आवंटनों का नियंत्रण दिया जाएगा। करीब 70 साल बाद फिर टाटा के पासः सरकारी विमान कंपनी एयरइंडिया करीब 70 साल बाद अपने पुराने मालिक यानी टाटा समूह के पास गई है। दरअसल, जहांगीर रतनजी दादाभाई (जेआरडी) टाटा ने 1932 में इस एयरलाइन की स्थापना की थी। तब इसे टाटा एयरलाइन कहा जाता था। हालांकि, एयर इंडिया का 1953 में राष्ट्रीयकरण किया गया था। इसके बाद कंपनी में सरकार का 100 प्रतिशत स्वामित्व था। हालांकि, कर्ज का बोझ बढ़ने की वजह से सरकार ने साल 2017 में पहली बार एयर इंडिया में हिस्सेदारी बेचने की कोशिश शुरू की। इस बार सरकार 75 फीसदी हिस्सेदारी बेचना चाहती थी। हालांकि, ये संभव नहीं हो सका। इसके बाद विनिवेश के नियमों में तमाम रियायतें दी गईं और सरकार अपना पूर्ण स्वामित्व बेचने को तैयार हो गई। एयर इंडिया की बोली लगाने में रुचि दिखाने वालों को आवेदन जमा करने लिए कई डेडलाइन दी गई। आखिरी डेडलाइन 15 सितंबर थी। इस दिन तक एयर इंडिया को खरीदने वालों में मुख्य तौर पर टाटा संस और स्पाइसजेट ने दिलचस्पी दिखाई। अब एयर इंडिया की कमान टाटा ग्रुप की टाटा संस के हाथों में चली गई है। आसमान में टाटा की उड़ानः इसी के साथ आसमान में टाटा ग्रुप का वर्चस्व बढ़ गया है। टाटा ग्रुप के मालिकाना हक वाली दो अन्य कंपनियां विस्तारा और एयर एशिया भी एविएशन सेक्टर में सक्रिय हैं।

दिल्ली: ओखला के कॉटन के गोदाम में लगी भीषण आग, दमकल की 17 गाड़ियों ने पाया काबू

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली के ओखला फेज-2 के हरकेश नगर में आज तड़के करीब 3.45 बजे एक गोदाम में आग लग गई। आग पर काबू पाने के लिए दमकल की 17 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग पर काबू पा लिया गया है। जानकारी के अनुसार, ओखला में स्थित कॉटन के गोदाम में यह भीषण आग लग गई। मौके पर 17 फायर की गाड़ियां आग बुझाने पहुंची। बेसमेंट ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर तक आग पहुंच गई थी। दमकल विभाग का कहना है कि अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आग पर काबू पा लिया गया है। दिल्ली फायर सर्विस के डिविजनल ऑफिसर एसके

दुआ ने कहा कि ओखला फेज-2 में कपड़े के गोदाम में आग लगने की सूचना मिली थी। दमकल की 17 गाड़ियां मौके पर काम कर रही हैं, आग पर काबू पा लिया गया है। कूलिंग प्रक्रिया चल रही है।

मचा हड़कंप: करोड़ों रुपये से भरा कंटेनर अचानक हुआ खराब

मेरठ। गंगानगर में मवाना रोड पर करोड़ों रुपये से लदा हुआ कंटेनर अचानक खराब हो गया। इससे पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। बताया गया कि कंटेनर में करोड़ों रुपये का कैश था। उधर, सूचना मिलने पर गंगानगर व इंचौली पुलिस मौके पर पंहुची। पुलिस के अनुसार लगभग पांच घंटे की मशक्कत के बाद कंटेनर ठीक हुआ। इसके बाद अधिकारियों ने राहत की सांस ली। कंटेनर चालक के अनुसार आरबीआई कानपुर के दफ्तर से करोड़ों रुपये की रकम उत्तराखंड के लिए रवाना हुई थी। लेकिन मेरठ में गुरुवार सुबह साढ़े

दस बजे के करीब एनएच-119 पर बहचौला गांव में आते ही कंटेनर खराब हो गया। इसकी वजह वायिरंग शार्ट होना बताया गया। कर्मचारियों ने इसकी जानकारी अपने उच्चाधिकारियों को दी। इसके बाद पुलिस के पास भी सूचना फ्लैश की गई। वहीं सूचना मिलने पर गंगानगर व इंचौली पुलिस फोर्स मौके पर पंहुची। इस दौरान पुलिस ने मौके पर जाम हुए लोगों को जाने के लिए कहा। इसके बाद गंगानगर से मकेनिक बुलाया गया। लेकिन कंटेनर ठीक नहीं हो सका। बाद में इसे खींचकर इंचौली थाने ले जाया गया। जहां लगभग चार बजे के करीब कंटेनर ठीक होने के बाद उत्तराखंड के लिए रवाना हुआ। सुबह दस बजे से लेकर शाम चार बजे तक पुलिस पूरी तरह अलर्ट रही। भारी धनराशि को देखते हुए पुलिस ने मवाना रोड पर खड़े कंटेनर के आसपास लोगों को जमा नहीं होने दिया।

मेरठ में गैंगरेप की शिकार छात्रा की मौत!

मेरठ। गैंगरेप पीड़िता की इलाज के दौरान मौत हो गई। दो दिन पहले परीक्षा देकर स्कूल से बाहर आई 12वीं कक्षा की छात्रा को अगवा कर गैंगरेप के बाद सड़क पर फेंक दिया गया था। छात्रा की मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत हो गई। मौत की खबर सुनकर मॉच्युर्री पर सैकड़ों की संख्या में लोग जुट गए। जहां परिवार और अन्य लोगों ने कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा किया। लोगों का कहना है कि पुलिस इस मामले को दबाने में लगी है। सीओ ने कहा कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही गैंग रेप के बारे में कुछ कहा जा सकेगा। सीसीटीवी फुटेज भी तलाश रहे हैं। नौचंदी थाना क्षेत्र के शास्त्रीनगर कुटी में रहने वाली छात्रा को पिता बुधवार दोपहर दो बजे जीआईसी में कक्षा

12 की परीक्षा देने के लिए छोड़कर आए थे। परीक्षा के बाद छात्रा कॉलेज गेट से शाम साढ़े चार बजे बाहर निकली, लेकिन रात तक घर नहीं पहुंची। छात्रा के घर न पहुंचने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू कर दी, लेकिन कुछ पता नहीं चला। रात 9 बजे पड़ोस के रहने वाले दो युवक छात्रा को ई-रिक्शा से लेकर घर पहुंचे, छात्रा बदहवास हालत में थी। उन्होंने बताया कि छात्रा मुख्य सड़क पर बदहवास पड़ी हुई थी। इसके बाद परिजनों ने छात्रा को शास्त्रीनगर में डॉ. अशोक गर्ग के यहां भर्ती कराया। पिता के मुताबिक छात्रा ने बताया कि टेंपो सवार उसे गांधी आश्रम चौराहे पर फेंक कर चला गया था। उसके बाद ई-रिक्शा से छात्रा पहुंची। दो युवक छात्रा को लेकर घर आए थे। गुरुवार को छात्रा को जिला अस्पताल में रेफर किया गया। शुक्रवार को मेडिकल कॉलेज में छात्रा की मौत हो गई। पिता का कहना है कि उसकी बेटी की आंखों में कोई केमिकल डाला गया था, ताकि वह दरिंदों को पहचान न पाए। उपचार के बाद भी छात्रा की हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। शुक्रवार दोपहर को छात्रा की मेडिकल कॉलेज में मौत हो गई। जिसके बाद पुलिस ने छात्रा के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मॉच्युर्री पर भारी संख्या में लोगों की भीड़ जुटी है। मेरठ व्यापार मंडल के जिला प्रमुख शैंकी वर्मा समर्थकों के साथ मॉच्युर्री पहुंचे और आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की। पोस्टमॉर्टम हाउस पर बेटी की मौत के बाद पिता का रो रोकर बुरा हाल था। पिता ने बिलखते हुए कहा कि जब मैं रात में डॉक्टर के यहां पहुंचा तो बेटी ठीक से बोल नहीं पा रही थी। उसके साथ गलत काम किया गया। बेटी आंख भी नहीं खोल पा रही थी। सरकारी अस्पताल के डॉक्टर ने गुरुवार रात हमें बताया था कि लड़की की दोनों आंख की रोशनी जा चुकी है।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-9879141180

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com